उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी.....

बी पी एस न्यूज

रक्षा बन्धन की हार्दिक शुभकामनाएं

www.bpsnews.in

वर्ष: 11 || अंक: 30 || पृष्ठ: 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 24 अगस्त-2026

बी.पी. साहू (संपादक)

अंदर के पृष्ठ पर | जिलाधिकारी ने खेरेश्वर मंदिर का निरीक्षण के साथ भगवान भोलेनाथ को चढ़ाया जल 4

पहली पत्नी के रहते अगर दूसरी शादी की तो सैलरी में होगी 20 प्रतिशत कटौती 5

कर्नाटक पेपर लीक मामला

बरेली में आईएएस ज्ञानेंद्र गंगवार के घर ईडी का छापा, कई गाड़ियों से पहुंचे अफसर

» बीपीएस न्यूज

बरेली। कर्नाटक पेपर लीक के मामले में ईडी ने रविवार को बरेली के रहने वाले आईएएस ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार के घर छापा मारा। नवाबगंज क्षेत्र के हिमकरपुर चमरुआ गांव में आईएएस का पैतृक घर है। यहां ईडी के अफसर जांच में जुटे हैं।

कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) की परीक्षा में कथित पेपर लीक और भर्ती अनियमितताओं की जांच के बीच कर्नाटक कैडर के आईएएस अधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार का नाम चर्चा में है। बरेली के नवाबगंज क्षेत्र के हिमकरपुर चमरुआ गांव में आईएएस के पैतृक घर पर रविवार को ईडी ने छापा मारा है। यहां शाम तक ईडी की जांच जारी रही।

2016 बैच के आईएएस हैं ज्ञानेंद्र गंगवार

ज्ञानेंद्र गंगवार कर्नाटक कैडर के 2016 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वह पहले केपीएससी में परीक्षा नियंत्रक के पद पर तैनात रह चुके हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार वर्तमान में कर्नाटक के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग में एमएसएमई निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। उनके घर रविवार दोपहर यूपी 32 नंबर (लखनऊ) की गाड़ियों से कई अधिकारी पहुंचे, जिनके साथ पुलिस की एक बड़ी वैन भी थी।

कार्रवाई के दौरान आईएएस के परिजनों को घर से बाहर नहीं जाने दिया। जांच जारी है। बताया जा रहा है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केपीएससी से जुड़ी कथित अनियमितताओं की जांच शुरू की है। ईडी ने पहले कर्नाटक और अहमदाबाद में कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया है। परीक्षा प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी, पेपर लीक और ओएमआर शीट में हेरफेर जैसे आरोपों की जांच की जा रही है।

अच्छी मंशा को कमजोरी न समझें...सीजेपी ने फिर बुलाई राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक सरकार के वादों पर होगा बड़ा फैसला

» सीजेपी सोमवार को केंद्र के आश्वासनों की स्थिति की समीक्षा करेगी, आंदोलन के विकल्प को खुला रखा

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने सोमवार को अपनी राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक बुलाई है, जिसमें 25 जुलाई को देशव्यापी आंदोलन वापस लेने के बाद केंद्र सरकार द्वारा किए गए वादों की स्थिति की समीक्षा की जाएगी।सीजेपी का कहना है कि सरकार ने अभी तक उन आश्वासनों को पूरा करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में औपचारिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी है। सीजेपी ने कहा कि वादों को पूरा कराने के लिए हर संभव कदम उठाया जाएगा, जिसमें देश भर में फिर से शांतिपूर्ण आंदोलन शुरू करने का विकल्प भी शामिल है।इसमें कहा गया, सीजेपी ने सद्भावना से अपना आंदोलन वापस लिया, क्योंकि सरकार ने देश के युवाओं से वादा किया था। लेकिन वह उस अच्छे मंशा को कमजोरी समझने की गलती नहीं होने देगी। सीजेपी ने छात्रों, युवा नागरिकों, अपने समर्थकों और स्वयंसेवकों से सोमवार को होने वाली बैठक के नतीजों के लिए तैयार रहने का भी आह्वान किया।सीजेपी ने यह घोषणा सुप्रीम कोर्ट द्वारा 18 अगस्त को देश भर में छात्रों और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी की एक संयुक्त सूची मांगे जाने के कुछ दिनों बाद की है। सीजेपी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से तीन बार वह सूची देने को कहा था, ताकि वह मुकदमों को रद्द करने के लिए अनुच्छेद-142 के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करने पर विचार कर सके।पार्टी ने कहा, अदालत द्वारा बार-बार यह सूची मांगे जाने के बावजूद, केंद्र सरकार ने इसे उपलब्ध कराने का कोई वादा नहीं किया। अदालत की सुनवाई के तुरंत बाद, सीजेपी के सह-संयोजक सौरव दास और कानूनी मामलों की प्रमुख रत्ना सिंह ने चिंता जताते हुए कहा कि केंद्र के वादों के आधार पर संगठन ने अपना आंदोलन वापस ले लिया, लेकिन ऐसा प्रतीत हो रहा है कि युवा पीढ़ी को धोखा दिया जा रहा है।

भारत बनेगा पोत निर्माण का वैश्विक केंद्र, राजनाथ सिंह ने बंगाल में 3,500 करोड़ की योजनाओं की रखी नींव

» बीपीएस न्यूज

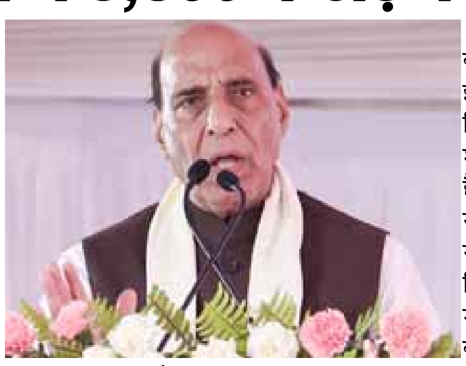

कोलकाता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कोलकाता में जीआरएसई और यंत्र इंडिया लिमिटेड की करीब 3,500 करोड़ रुपये की पांच विस्तार परियोजनाओं की आधारशिला रखी। ये परियोजनाएं राज्य में औद्योगिक विकास और रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देंगी। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और एमएसएमई क्षेत्र को भी मजबूती मिलेगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कोलकाता से ऑनलाइन माध्यम से गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स और यंत्र इंडिया लिमिटेड की पांच विस्तार योजनाओं की आधारशिला रखी। इस कार्यक्रम में उनके साथ पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद रहे। इन परियोजनाओं में जीआरएसई की तीन और यंत्र इंडिया की दो विस्तार योजनाएं शामिल हैं।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लगभग 3,500 करोड़ रुपये की लागत वाली इन पांच परियोजनाओं की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा, भारत में पोत निर्माण का वैश्विक केंद्र बनने की पूरी क्षमता है। वैश्विक जहाज निर्माण उद्योग में एक शून्यता आ रही है और भारत इस मौके का पूरा फायदा उठा सकता है।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ये नई परियोजनाएं राज्य में विकास के एक नए दौर की शुरुआत करेंगी। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में कारखानों के बंद होने और तालाबंदी की खबरों की जगह अब नई परियोजनाओं की शुरुआत ने ले ली है। ये परियोजनाएं न सिर्फ रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देंगी, बल्कि राज्य में औद्योगिक गतिविधियों में भी तेजी लाएंगी।

कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि जीआरएसई ने युद्धपोत बनाने और उनकी मरम्मत करने की अपनी क्षमता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह कोलकाता के साथ लीज समझौता किया है। इस समझौते के तहत हुगली नदी के दोनों किनारों पर दो छोटे शिपयार्ड और रायचक में नदी के किनारे 32 एकड़ जमीन ली गई है।अधिकारी ने आगे बताया कि ये परियोजनाएं जीआरएसई की कार्य क्षमता को मजबूत करेंगी।

इसके साथ ही, स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इन परियोजनाओं से राज्य के औद्योगिक माहौल को फिर से खड़ा करने में मदद मिलेगी और सहायक उद्योगों, खासकर एमएसएमई सेक्टर को काम के अधिक अवसर मिलेंगे।

श्रीनगर केंद्रीय कारागार से दो विचाराधीन कैदी फरार पुलिस ने जारी किए पोस्टर, तलाशी अभियान किया शुरू

» बीपीएस न्यूज

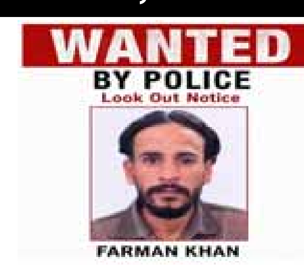

श्रीनगर । श्रीनगर केंद्रीय कारागार से रविवार को पॉक्सो मामले में गिरफ्तार दो विचाराधीन कैदी कथित तौर पर फरार हो गए। फरार हुए बंदियों की पहचान फरमान खान और मुख्तार अहमद गुज्जर के रूप में हुई है।

फरमान खान राजस्थान का निवासी है, जबकि मुख्तार अहमद गुज्जर अनंतनाग जिले का रहने वाला है। खान पर गांदरबल जिले के लार पुलिस थाने में पॉक्सो अधिनियम की धारा 3/4 के तहत आरोप दर्ज थे। गुज्जर पर भी श्रीनगर के सौरा पुलिस थाने में दर्ज एक मामले में समान आरोप थे।

पुलिस ने दोनों को पकड़ने के लिए एक बड़ा तलाशी अभियान शुरू किया है। कश्मीर से बाहर निकलने वाले सभी रास्तों पर सतर्कता सूचनाएं जारी की गई हैं।

हरिद्वार में 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' पर संतों का महामंथन

शिवराज बोले- बार-बार चुनाव विकास में बाधक, जनजागरण करें संत

» बीपीएस न्यूज

हरिद्वार। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को बल देने के लिए रविवार को देवभूमि उत्तराखंड स्थित धर्मनगरी हरिद्वार के प्राचीन अवधूत मण्डल आश्रम में संत समागम आयोजित हुआ। जिसमें देश भर के साधु संतों के साथ केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, कल्कि आश्रम के प्रमोद कृष्णम, योग गुरु स्वामी रामदेव जैसे लोग शामिल हुए।

शिवराज चौहान ने कहा कि बार-बार चुनाव विकास में बाधक होते हैं। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव आज देश की जरूरत है। उन्होंने संत समाज से जनजागरण की अपील करते हुए आग्रह किया कि मोदी जी के विचार को जनता तक पहुँचाएँ। उन्होंने कहा कि देश पहले, पार्टी बाद में; एक राष्ट्र-एक चुनाव का मोदी जी का संकल्प हो पूरा। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् का पूरा गान देश की एकता का प्रतीक है। अब भारत को और विभाजित नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बार-बार होने वाले चुनाव राष्ट्र की विकास गति और जनसेवा को प्रभावित कर रहे हैं और समय, पैसा तथा प्रशासनिक ऊर्जा का भारी क्षय कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लगातार चुनावों के कारण स्कूलों में पढ़ाई रुकती है, प्रशासनिक मशीनरी चुनाव की तैयारियों में लग जाती है और जनता तक विकास कार्यों की गति धीमी पड़ जाती है।

उन्होंने चुनावों की तैयारी पर लगने वाले समय और खर्च, जो रिपोर्ट के मुताबिक लाखों करोड़ तक पहुँचते हैं, को रोका जा सके तो देश लाभान्वित होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यदि लोकसभा और विधानसभा के चुनाव साथ हों तो संसाधनों की बचत होगी, चुनाव सम्बंधी समय की बचत होगी ।

अयोध्या में मछली भोज

संत बोले- सनातन आस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, प्रदेश अध्यक्ष से माफी की मांग की

» बीपीएस न्यूज

अयोध्या। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के अयोध्या दौरे को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। तारुन में अजय राय के स्वागत कार्यक्रम में सावन माह और एकादशी के दिन मछली भोज आयोजित किए जाने को लेकर संत समाज ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है।

संतों ने इसे सनातन आस्था का अपमान और रामनगरी की धार्मिक मर्यादा के साथ खिलवाड़ करार देते हुए कांग्रेस से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है।

संतों ने कहा कि अयोध्या में राजनीतिक कार्यक्रमों का स्वागत है, लेकिन रामनगरी की आस्था और परंपराओं की कीमत पर राजनीति नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से पूरे मामले पर स्पष्टीकरण देने और अजय राय से सनातन समाज से माफी मांगने की मांग की है। मछली भोज के आयोजन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मछली की मात्रा दो कुंतल से अधिक होने की बात भी कही जा रही है। वायरल वीडियो की संवाद न्यूज एजेंसी पुष्टि नहीं करती है। महंत डॉ. भरत दास ने कहा कि कांग्रेस को अयोध्या की धार्मिक परंपराओं और यहां की आस्था की समझ नहीं है। सावन और एकादशी जैसे पवित्र अवसर पर मांसाहारी भोज का आयोजन कांग्रेस की सनातन विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। अयोध्या में राजनीति करने से पहले कांग्रेस नेताओं को यहां की मर्यादा समझनी चाहिए। भगवान राम की नगरी में सनातन भावनाओं से खिलवाड़ करने की कोशिश संत समाज किसी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगा।

चढ़ावा चोरी पर यूपी कांग्रेस अध्यक्ष बोले- अब हनुमान जी उठाएं गदा और चंदा चोरों का फैसला करें

» बीपीएस न्यूज

अयोध्या कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय रविवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन किया और हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अयोध्या में कोई भी कार्यक्रम लगता है तो कांग्रेस अपने कार्यक्रमों की शुरुआत भगवान के दर्शन से करती है। राम मंदिर के चढ़ावे में अनियमितता और चोरी के आरोपों को लेकर अजय राय ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि चढ़ावे की चोरी के आरोपियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। अब सरकार पर नहीं, बल्कि हनुमान जी पर भरोसा है। हनुमान जी अपना गदा उठाएं और चंदा चोरों का फैसला करें।अजय राय ने राम मंदिर में मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मंदिर से जुड़े महत्वपूर्ण धार्मिक कार्यों में धर्माचार्यों की भूमिका होनी चाहिए। शंकराचार्य की देखरेख में नियुक्ति होनी चाहिए। राम मंदिर को व्यापार का केंद्र बनाने का प्रयास नहीं होने दिया जाएगा। आगामी विधानसभा चुनाव में गठबंधन के सवाल पर अजय राय ने कहा कि इस संबंध में फैसला कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व करेगा लेकिन इस बार भाजपा की सरकार को हटाने के साथ चढ़ावा चोरों को भगाएंगे। कहा कि जिन्होंने चढ़ावा चोरी किया अब एथेनॉल से भी लोगों को बर्बाद कर रहे हैं। राममंदिर चढ़ावा चोरी की रिपोर्ट सामने आने के बाद कांग्रेस पूरे प्रदेश में आंदोलन करेगी। प्रवक्ता अखिलेश, जिला अध्यक्ष चेतनारायण सिंह, महिला जिला अध्यक्ष रेनू राय, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप निषाद, पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक सिंह, नंदकुमार गुप्ता, राम तेज वर्मा, रवि कुमार श्रीवास्तव, घनश्याम सिंह, राजकुमार पांडे, श्री निवास तिवारी, राम निहाल निषाद मौजूद रहे।

स्वागत में मछली भोज की चर्चा- कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के स्वागत में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मछली भोज कराए जाने की चर्चा को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। बताया जा रहा है कि तारुन क्षेत्र स्थित लॉन में कांग्रेस का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां लोगों को भोजन में मछली परोसे जाने की तैयारी की गई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मछली की मात्रा दो कुंतल से अधिक होने की बात भी कही जा रही है। अजय राय ने रविवार को हनुमानगढ़ी पहुंचकर दर्शन-पूजन किया ।

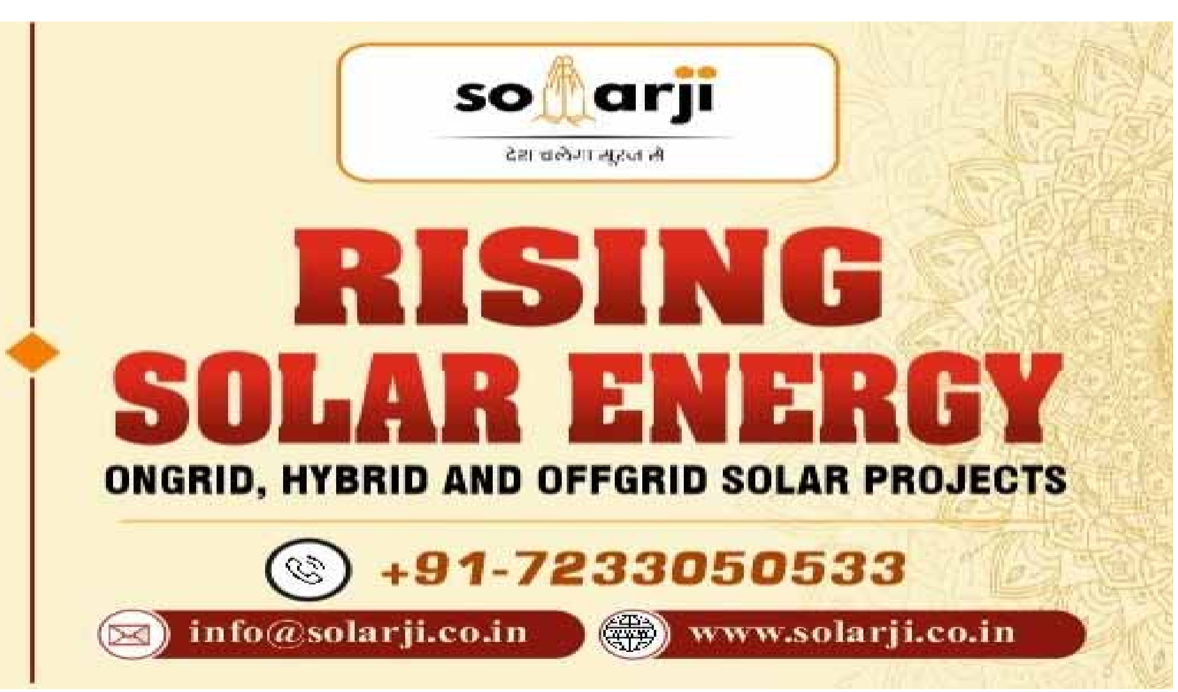

अपनी बात....

संपादकीय ....

सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं को सक्षम बनाएं

यह विडंबना ही है कि देश में कभी भी सत्ताधीशों की प्राथमिकता सरकारी चिकित्सा-तंत्र को सक्षम बनाने की नहीं रही है। किसी भी चुनाव में स्वास्थ्य सुविधाओं को समृद्ध बनाना राजनीतिक दलों के एजेंडे में शामिल नहीं रहा। जनता भी हर आम परिवार से जुड़े सेहत के मुद्दे को जोर-शोर से उठाने में चूकती रही है। यही वजह है कि आज भी कुल मिलाकर देश के करोड़ों लोगों के लिये सस्ती व पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंच से बाहर हैं। अपने परिजनों के गंभीर रोगों के उपचार के लिये क्षमता से अधिक पैसा जुटाने के फेर में हजारों परिवार हर साल गरीबी की दलदल में धंस जाते हैं। यह गंभीर स्थिति सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में हेल्थकेयर पर बनी संसदीय समिति की हालिया रिपोर्ट साफ तौर पर दर्शाती है। नेशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस के 2025 के सर्वे का हवाला देते हुए संसदीय समिति ने पाया है कि सरकारी सुविधाओं में अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीज का औसत खर्च 6,631 रुपये है, जबकि प्राइवेट में यह खर्च 50,508 रुपये है। निजी अस्पताल में होने वाला यह औसत खर्च सरकारी अस्पताल में होने वाले खर्च के मुकाबले सात गुना से भी अधिक है। जो चिकित्सा सुविधाओं में व्याप्त व्यापक विसंगतियों को ही दर्शाता है। यह आंकड़ा इसलिए भी अहम है कि निजी अस्पताल अब साठ फीसदी से ज्यादा मरीजों को अस्पताल में भर्ती करते हैं और 70 फीसदी आउट पेशेंट की देखभाल करते हैं। विडंबना यह है कि सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं का अभाव लगातार बना रहता है। वहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी मरीज महसूस करते हैं। सरकारी अस्पताल की सुविधाओं में बेड, उपकरण, दवाइयां और कुशल स्टाफ की कमी देखी जाती है। मरीज को भरोसा नहीं होता है कि उसे जरूरी इलाज सरकारी अस्पताल में मिल भी पायेगा। एक संकट यह भी है कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों का दबाव बहुत ज्यादा होता है। उसके मुकाबले चिकित्सक उपलब्ध नहीं होते हैं।

वहीं दूसरी ओर निजी अस्पतालों में चिकित्सकों की अच्छी आय और निजी प्रैक्टिस का सम्मोहन भी योग्य डाक्टरों को सरकारी अस्पतालों से विमुख बनाता है। यही वजह है कि पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं के अभाव में मरीजों को निजी अस्पतालों में इलाज कराने के लिये बाध्य होना पड़ता है। दरअसल, उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचता, अब चाहे उनकी पैसा देने की क्षमता हो या न हो। लोगों की चिकित्सा इमरजेंसी की चिंता की वजह से स्वास्थ्य बीमा का बड़ा कारोबार देश में फल-फूल रहा है। जिसमें मरीजों को कम व बीमा कंपनियों और निजी अस्पतालों को ज्यादा मुनाफा हो रहा है। यही वजह है कि आज हेल्थकेयर सिस्टम में इलाज की सुविधा परिवार की आमदनी पर बहुत ज्यादा निर्भर हो जाती है। इसके चलते ही संसदीय पैनल की यह बात खास तौर पर चिंताजनक है कि अस्पताल में भर्ती होने का औसत बिल 37,858 है, जिसमें से मरीज अपनी जेब से लगभग 34,064 रुपये खर्च करते हैं। हालांकि, कुल बिल में अपनी जेब से होने वाला खर्च 2014 के 62.6 फीसदी से घटकर 2022-23 में 43.4 फीसदी हो गया है। इसके बावजूद 10-13 फीसदी की मेडिकल महंगाई का असर परिवारों के बजट पर अब भी पड़ रहा है। लेकिन सरकारी सुविधाओं में आ रही गिरावट को टाला न जा सकने वाला मान लेना भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। शासन-प्रशासन की प्राथमिकता सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की होनी चाहिए। निस्संदेह, संसदीय समिति की सिफारिशें सही दिशा की ओर संकेत देती हैं। इसमें छोटे और ग्रामीण अस्पतालों के लिये लक्षित सहायता, पारदर्शी इलाज पैकेज, बीमा दरों की समय-समय पर समीक्षा, मध्यम आय वाले वर्ग के लिये किफायती बीमा सुविधा, जेनेरिक दवाइयों तक मरीजों की व्यापक पहुंच बनाने तथा शहरों से परे मजबूत सार्वजनिक-निजी भागीदारी बढ़ाने की जरूरत पर बल दिया गया है।

कश्मीर मुद्दा सुलझाए बगैर ब्रिटेन का निकलना!

विमल भाटिया

असली सवाल यह है कि क्या ब्रिटिश यह समझते हैं कि उनके आखिरी दिनों में लिए गए फैसलों का असर आज भी करोड़ों लोगों की ज़िंदगियों को आकार दे रहा है। दिल्ली-इस्लामाबाद की नवीनतम घटनाओं से तो लगता है कि...असली सवाल यह है कि क्या ब्रिटिश यह समझते हैं कि उनके आखिरी दिनों में लिए गए फैसलों का असर आज भी करोड़ों लोगों की ज़िंदगियों को आकार दे रहा है। दिल्ली-इस्लामाबाद की नवीनतम घटनाओं से तो लगता है कि इतिहास अभी भी अतीत नहीं बना, वहीं का वहीं खड़ा है।

भारत और पाकिस्तान के बीच की 'जैसे को तैसा' जवाब देने की प्रवृत्ति और अविश्वास के मिलेजुले भाव से देखना दिलचस्प है। बुधवार को भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने श्रीनगर का दौरा किया और जम्मू-कश्मीर को 'भारत का अहम हिस्सा' बताया। पाकिस्तान ने तुरंत इसका विरोध किया। इसके बाद राजनयिक स्तर पर 'जैसे को तैसा' वाला दौर शुरू हुआ ÷ पाकिस्तान ने इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के बाहर लगे सुरक्षा बैरियर हटवा दिए; तो जवाबी प्रतिक्रिया में भारत ने भी नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग के बाहर ठीक वही किया।

भारत और पाकिस्तान की आज़ादी के बाद उनकी उम्र लगभग 80 साल हो चुकी है। लेकिन वे अभी भी ऐसे व्यवहार करते हैं मानो दिवंगत माता-पिता की विरासत के लिए झगड़ रहे बच्चे हों। ज़ाहिर है, यहां 'दिवंगत माता-पिता' से अभिप्राय ब्रिटिश साम्राज्य से है। इससे एक दिलचस्प सवाल उठता है÷ 1947 में पीछे छोड़ दिए गए 'ताज के रत्न' (भारत) को ब्रिटेन किस नज़रिए से देखता है? क्या ब्रिटेन वाकई अतीत को भूलकर आगे बढ़ गया है? मुझे शक है कि इसका जवाब उससे कहीं ज़्यादा जटिल है, जितना ब्रिटिश या उनकी पूर्व प्रजा स्वीकार करना चाहेगी। भारत से ब्रिटेन की वापसी असाधारण रूप से जल्दबाज़ी में हुई थी। फरवरी 1947 में क्लेमेंट एटली की सरकार ने घोषणा की कि ब्रिटिश शासन जून 1948 तक खत्म हो जाएगा। लॉर्ड माउंटबेटन वायसराय बनकर आए और उन्होंने इस समय-सीमा को सरका कर पहले कर दिया। अगस्त 1947 में आज़ादी मिली। नए देशों की सीमाओं की घोषणा सिर्फ़ दो दिन बाद की गई। लाखों लोगों को अचानक पता चला कि वे एक ब्रिटिश वकील, सर सिरिल रैडक्लिफ द्वारा खींची गई रेखा के गलत तरफ़ रह रहे हैं, जो इससे पहले कभी भारत नहीं आए थे।इसके नतीजे बहुत भयानक रहे–बड़े पैमाने पर लोगों का विस्थापन, सांप्रदायिक नरसंहार और कड़वाहट की ऐसी विरासत, जो पीढ़ियों तक बनी रही। और फिर कश्मीर का मुद्दा था। यह महज़ ज़मीन का कोई टुकड़ा भर नहीं था, जिसे एक नया देश आसानी से दूसरे देश को सौंप दे। जम्मू-कश्मीर एक रियासत थी, जिसके शासक महाराजा हरि सिंह ने काफी हील-हुज्जत के बाद अक्तूबर 1947 में भारत में विलय के दस्तावेज़ (इंस्ट्रूमेंट ऑफ़ एक्सेशन) पर हस्ताक्षर किए थे। इसे गवर्नर-जनरल लॉर्ड माउंटबेटन ने स्वीकार कर लिया, जो आज़ादी के बाद भी भारत के गवर्नर-जनरल बने रहे। संलग्न पत्र में उन्होंने लिखा था कि जब कानून-व्यवस्था बहाल हो जाएगी, तो विलय का सवाल लोगों की राय से तय किया जाना चाहिए। वह अनसुलझा इतिहास भारत-पाकिस्तान के रिश्तों में सबसे बड़ा ज़ख्म बन गया। तीन युद्ध हुए, सशस्त्र विद्रोह, आतंकवाद, सैन्य टकराव और न जाने कितने ही कूटनीतिक संकट आए।आज 2026 में, हम देख रहे हैं कि परमाणु हथियार संपन्न दो देश एक-दूसरे के राजनयिक मिशनों के बाहर सुरक्षा इंतज़ामों को लेकर जवाबी कार्रवाई कर रहे हैं, क्योंकि एक अमेरिकी राजदूत ने कश्मीर के बारे में कुछ ऐसा कहा जो पाकिस्तान को नागवार गुजरा। इन सबके लिए ब्रिटेन को दोष देना आसान होगा। लेकिन यह करना कुछ ज़्यादा ही आसान होगा। भारत और पाकिस्तान के पास परिपक्व होने के लिए लगभग आठ दशक थे। उनके नेताओं ने सुलह की बजाय बार-बार राष्ट्रवाद को चुना। दोनों देशों ने घरेलू राजनीतिक मकसदों के लिए कश्मीर का इस्तेमाल किया। दोनों ने बंटवारे और खुद को पीड़ित दिखाने के आधार पर मज़बूत प्रचार कथानक गढ़े हैं। सन 1947 के बाद से दिल्ली या इस्लामाबाद में लिए गए हर फ़ैसले के लिए ब्रिटेन को ज़िम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। लेकिन फिर, ब्रिटेन भी इतिहास से पूरी तरह बच नहीं सकता।निःसंदेह, उसने ऐसे राजनीतिक हालात पैदा किए जिनमें बंटवारा हुआ। इसने तय किया कि मूल समयसीमा से पहले ही यहां से चले जाना है। उसने पंजाब और बंगाल के बंटवारे की निगरानी की। सत्ता हस्तांतरण प्रक्रिया में ब्रिटिश अधिकारी गहराई तक शामिल थे। ब्रिटिश राष्ट्रीय संग्रहालय के रिकॉर्ड से स्थापित होता है कि ब्रिटिश अधिकारियों के पास यह तय करने के लिए सिर्फ़ नौ हफ़्ते थे कि ब्रिटिश भारत का बंटवारा कैसे किया जाए। और फिर ब्रिटेन के सूत्रधार अपने देश लौट गए।

शायद कहानी का सबसे असाधारण हिस्सा यही है। ब्रिटिश साम्राज्य नक्शे से गायब हो गया, लेकिन उसकी सीमाएं नहीं गईं। उसके बनाए संस्थान पूरी तरह खत्म नहीं हुए। उसकी अंग्रेज़ी भाषा नए रसूखदार वर्ग की गर्व योग्य बोली बन गई। उसकी संसदीय प्रणाली को अपनाया गया। उसकी सेना का ढांचा, प्रशासनिक परंपराएं और कानूनी नियम बने रहे। और उसके जाने के दौरान बने ज़ख्म भी बने रहे। तथापि, ब्रिटेन खुद काफी हद तक आगे बढ़ चुका है। आज का ब्रिटेन बिल्कुल अलग सवालों में उलझा हुआ है÷ ब्रेक्सिट, आप्रवासन, एनएचएस, जीवन-यापन की बढ़ती लागत, सुधार, पारंपरिक राजनीतिक दलों का पतन और दुनिया में उसकी अनिश्चित स्थिति।वहीं, भारत और पाकिस्तान इस बीच अभी भी उस इलाके को लेकर झगड़ रहे हैं, जिसका आधुनिक राजनीतिक भविष्य उपमहाद्वीप में ब्रिटेन के आखिरी महीनों के दौरान तय हुआ था। इस पूरे मामले में कुछ-कुछ शेक्सपियर के नाटकों जैसी बात है। ब्रिटेन ने मंच छोड़ दिया, कलाकार बदल गए, वेशभूषा बदल गई, दर्शक बदल गए, लेकिन झगड़ा जारी रहा।

शायद इस बात की असली परीक्षा यह नहीं है कि क्या ब्रिटेन अपने साम्राज्य वाले दिनों को छोड़कर आगे बढ़ चुका है और क्या ब्रिटेन के लोग अब भी 'राज' के पुराने वैभव की खुमारी में खोए रहते हैं, बल्कि असली सवाल यह है कि क्या ब्रिटिश यह समझते हैं कि उनके आखिरी दिनों में लिए गए फैसलों का असर आज भी करोड़ों लोगों की ज़िंदगियों को आकार दे रहा है। दिल्ली-इस्लामाबाद की नवीनतम घटनाओं से तो लगता है कि इतिहास अभी भी अतीत नहीं बना, वहीं का वहीं खड़ा है। 'ताज का रत्न' अब दो मज़बूत स्वतंत्र देश बन चुके हैं, दोनों परमाणु शक्ति संपन्न हैं, और भारत अब दुनिया का सबसे ज़्यादा आबादी वाला देश है। दोनों देशों ने अपना-अपना इतिहास, अपनी महत्वाकांक्षाएं और अपनी-अपनी पहचान विकसित कर ली है। वे अब ब्रिटेन का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन न तो ब्रिटेन और न ही दक्षिण एशिया के ये देश यह दिखावा कर सकते हैं कि जिस तरीके से ब्रिटेन यहाँ से गया, उससे बाद की घटनाओं पर कोई असर नहीं पड़ा।

मोदी-शाह के चुनावी चीनी की मिठास छीन लेगा सवर्ण आंदोलन

राजनीतिक विश्लेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

एक तरफ चीनी के दाम बढ़ गए तो हाहाकार मच गया और दूसरी ओर बिहार भाजपा के मंत्री ने कहा कि डायबीटीक बढ़ रहें इसलिए चीनी के दाम बढ़वा दिये। ऐसे उलूल जुलूल लॉजिक से आगे के चुनाव जितना अब भाजपा के लिए आसान नहीं। उधर जंतर-मंतर पर सवर्णो और आरक्षण रिफार्म की मांग कर रहें युवा प्रदर्शनकारियों पर पुलिस बर्बरता को लेकर पूरा सवर्ण समाज उद्वेलित है । राहुल गाँधी पैलेट गन चलाने वाले पुलिसकर्मियों के विरुद्ध एफआइआर दर्ज कराने निकल पड़े थे। राहुल गाँधी घायल छात्र साहिल लोचब और उनके माता-पिता को साथ लेकर संसद मार्ग थाने पहुँचे और एफआइआर दर्ज होने तक वहाँ से न हटने की घोषणा करके मोदी-शाह के लिए नया संकट खड़ा कर दिया था । सवर्ण सभा के विभिन्न संगठनों ने यूजीसी रोल बैक और आरक्षण को आर्थिक आधार पर कराने के मुद्दे पर जोरदार प्रदर्शन किया है जिसे लेकर अब भाजपा को दोहरा झटका लगना तय है। एक तरफ कॉकरोच पीछे पड़े है दूसरी तरफ सवर्णो का साथ छूटता दिखाई दें रहा। दिल्ली में 21 अगस्त , 2026 को जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों व युवा प्रदर्शनकारियों पर डंडे चलाने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने की मांग उठ रही। तत्काल एफआइआर दर्ज नहीं की गई तो पूरे दिल्ली के लुटियन्स नेताओं को अशांत करने का सवर्ण प्लान धरातल पर उतरता दिख रहा।

सवर्णों के प्रदर्शन पर पुलिस अधिकारियों ने उन्हें बताया है कि ÷ऊपर से आदेश÷ है और वे धरने का आदेश नहीं कर सकते; भाजपा के रामदास अठावले के बयान से सवर्ण और रघुराज सिंह के बयान से मुसलमान अब भाजपा से नाता तोड़ रहा जो विपक्ष के लिए बड़ी राहत कि खबर है। सूत्रों के अनुसार रघुराज तो यहाँ तक बोल गए कि ङ्क भाजपा को मुसलमानों का वोट नहीं चाहिए और अठावले बोला कि आरक्षण खत्म कराने कि हिम्मत किसी के बाप में नहीं। ऐसे में सवर्णो की हुंकार ने भाजपा को चिंता में डाल दिया है। केंद्रीय मंत्रीयों ने अपने बयान में दलित और पिछड़ो की हितैषी करार देते हुए भाजपा को अहंकार की राजनीति का प्रमुख आधार बताते हुए सवर्ण वोटरों को लेकर पार्टी की स्थिति पर टिप्पणी की। जंतर मंतर पर सवर्णो के उग्र प्रदर्शन के बाद राजनीतिक हलकों में भाजपा की चुनावी रणनीति और सवर्ण मतदाताओं को लेकर बहस तेज हो सकती है।दिल्ली पुलिस महत्वपूर्ण तथ्य है कि संसद मार्ग थाने की जनरल डायरी की प्रविष्टि में पहले ही यह सामने आ चुका है कि 20 जुलाइ को आरएएफ ने एक डीसीपी-स्तरीय अधिकारी के निर्देश पर दो राउंड प्लास्टिक पैलेट चलाए थे। इसके साथ ही साथ घायल प्रदर्शनकारियों की चिकित्सा जाँच रिपोर्टों में उनके शरीर में पैलेट गन के छर्रे मिलने का स्पष्ट उल्लेख है लेकिन सरकार द्वारा इसे ढकने की कोशिश की जा रही है।

इसलिए राहुल गाँधी का यह सवाल महत्वपूर्ण है कि जब पुलिस की अपनी जनरल डायरी में पैलेट गन चलाए जाने और अधिकारी के निर्देश का उल्लेख है, तो एफआइआर क्यों नहीं दर्ज की जा रही है ? राहुल गाँधी पहले ही दिन से पूछते रहे हैं कि पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया था? इस सवाल का जवाब देने से बचने के लिए ही प्रधानमंत्री और गृहमंत्री दोनों ही संसद के पावसकालीन सत्र में सदन में उपस्थित होने के बजाय मुँह छिपाते रहे। अब मामला उससे भी ज्यादा बिगड़ गया लगता है जो सत्ता पर कब्जा जमाये बैठे इन दोनों नेताओं को भारी पड़ सकता है।विश्वगुरु बनने का सपना और हमारी वास्तविकता

देश में आजकल एक नारा बार-बार सुनाई देता है– ÷हम विश्वगुरु बनेंगे।÷ यह सपना निश्चित रूप से सुंदर है और हर भारतीय की इच्छा होनी चाहिए कि हमारा देश ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा, मानवता और लोकतांत्रिक मूल्यों के क्षेत्र में दुनिया का मार्गदर्शन करे। लेकिन केवल नारा लगाने से कोई देश विश्वगुरु नहीं बनता। इसके लिए हमें अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ अपनी कमियों को भी ईमानदारी से स्वीकार करना होगा।

यदि हम वास्तव में विश्वगुरु बनना चाहते हैं तो सबसे पहले शिक्षा की गुणवत्ता को विश्वस्तरीय बनाना होगा। चिकित्सा और स्वास्थ्य सुविधाएँ हर नागरिक तक पहुँचानी होंगी। आरक्षण व्यवस्था को अधिक सरल, सुलभ और आर्थिक आधार पर लाना होगा। विज्ञान, अनुसंधान और तकनीकी नवाचार में निवेश बढ़ाना होगा। बेरोजगारी,

गरीबी और भुखमरी जैसी समस्याओं का गंभीरता से समाधान करना होगा। इसी तरह भ्रष्टाचार, अपराध, सामाजिक असमानता और प्रशासनिक लापरवाही पर प्रभावी अंकुश लगाना होगा। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित न रहे, बल्कि उसमें असहमति का सम्मान, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और संस्थाओं की स्वायत्तता भी सुरक्षित रहनी चाहिए। और सबसे महत्वपूर्ण बात–हमें धर्म और जाति के नाम पर समाज में बढ़ती दूरी तथा हिंदुत्व के अलावा अन्य धर्मो में भी अंधविश्वास और पाखंड से लोगो को मुक्त होने का प्रयास कराना होगा। जिस समाज में मनुष्य की पहचान उसकी जाति, धर्म या आर्थिक स्थिति से अधिक महत्वपूर्ण हो जाए, वही समाज वास्तव में प्रगतिशील कहलाता है।

विश्वगुरु बनने के लिए दुनिया को उपदेश देने से पहले हमें अपने भीतर सुधार की शुरुआत करनी होगी। हमें यह पूछना चाहिए कि हमारा देश शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान, न्याय, रोजगार, समानता और मानवीय मूल्यों के क्षेत्र में कहाँ खड़ा है और कहाँ पहुँचना चाहता है।विश्वगुरु का दर्जा किसी घोषणा से नहीं, बल्कि ज्ञान, चरित्र, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, सामाजिक न्याय, मानवीय संवेदना और उत्कृष्ट संस्थाओं से प्राप्त होता है। इसलिए ÷हम विश्वगुरु बनेंगे÷ कहना बुरा नहीं है; बल्कि यह एक महान लक्ष्य है। लेकिन उस लक्ष्य को पाने के लिए नारों से अधिक ईमानदार आत्ममंथन, ठोस नीतियाँ और निरंतर मेहनत की आवश्यकता है।

सार्वजनिक सूचना

अदालत अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या 22 जिला- कानपुर नगर(उत्तर प्रदेश)S.T-403 / 2016 मुकदमा अपराध संख्या 15 /2016धारा 379/411/420/467/468/471 IPC थाना- किदवई नगर कानपुर नगर बनाम शहंशाह आलम (अभियुक्त)

सर्वसाधारण को इस सूचना द्वारा सूचित किया जाता है कि अभियुक्त शहंशाह आलम पुत्र असलम निवासी इस्लामनगर मेराज बाबा की मजार नौबस्ता कानपुर नगर हाल पता 130/298 इंजीनियर फैजुल रहमान का मकान बाबू पुरवा थाना बाबूपुर कानपुर नगर जिसके खिलाफ थाना किदवई नगर कानपुर में मुकदमा अपराध संख्या 15/2016के तहत मुकदमा दर्ज है, मुकदमा उपरोक्त माननीय न्यायालय में विचाराधीन है ।अदालत द्वारा उक्त अभियुक्त के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया जा चुका है, जिसकी तामील नहीं हो सकी है। अदालत के समक्ष यह विश्वास करने का पर्याप्त कारण है कि अभियुक्त राजेश कुमार कानून की गिरफ्तारी से बचने के लिए जानबूझकर भागा हुआ है।अतः इस उद्घोषणा के माध्यम से अभियुक्त राजेश कुमार को आदेश दिया जाता है कि वह माननीय न्यायालय के समक्ष दिनांक 19सितम्बर 2026 को सुबह 10÷00 बजे या उससे पहले अनिवार्य रूप से उपस्थित हो।यदि वह नियत तिथि और समय पर उपस्थित नहीं होता है, तो कानून के तहत उसकी चल-अचल संपत्ति को कुर्क (Attach) करने की कार्रवाई (धारा 83 CrPC) अमल में लाई जाएगी।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,

bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

नारियल नहीं, यहां भक्त लेकर आते हैं ताला, महादेव मंदिर की परंपरा है बेहद खास

प्रयागराज में भगवान शिव का एक ऐसा अनोखा मंदिर है, जहां भक्त अपनी मनोकामना को ताले में बांधकर भोलेनाथ के चरणों में छोड़ देते हैं। नाथेश्वरनाथ महादेव मंदिर को लोग प्यार से 'ताले वाले महादेव मंदिर' के नाम से भी जानते हैं। यहां पहुंचने वाले श्रद्धालु अपनी इच्छा पूरी होने की प्रार्थना करते हुए मंदिर परिसर में एक ताला लगाते हैं। मान्यता है कि भगवान शिव उनकी मनोकामना पूरी करते हैं।

मनोकामना पूरी हुई तो खुलता है ताला

इस मंदिर की परंपरा बाकी शिवालयों से इसे अलग बनाती है। श्रद्धालु ताले पर अपना नाम, पता या पहचान लिखकर उसे मंदिर की जाली, दीवार या परिसर में किसी निर्धारित जगह पर लगा देते हैं। इसके बाद वे अपनी इच्छा पूरी होने का इंतजार करते हैं। जब मनोकामना पूरी होने का विश्वास होता है, तो भक्त दोबारा मंदिर पहुंचकर उसी ताले को खोलते हैं और भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हैं।

लाखों तालों में छिपी हैं भक्तों की कहानियां

मंदिर परिसर में लगे अनगिनत ताले यहां आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था और उम्मीद की झलक दिखाते हैं। हर ताला किसी व्यक्ति की अपनी प्रार्थना और विश्वास की कहानी कहता है। समय के साथ जब तालों की संख्या बढ़ जाती है, तो पुराने तालों को हटाकर सुरक्षित जगह पर रखा जाता है। इसके लिए मंदिर परिसर में एक कमरा भी बनाया गया है, जहां पुराने ताले रखे जाते हैं।

सावन और महाशिवरात्रि पर उमड़ता है सैलाब

आम दिनों में भी मंदिर में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहती है। सावन के सोमवार, महाशिवरात्रि और दूसरे खास धार्मिक अवसरों पर यहां भक्तों की संख्या काफी बढ़ जाती है। रुद्राभिषेक, जलाभिषेक, भजन-कीर्तन और आरती के दौरान पूरा परिसर 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष से गूंज उठता है।

ताला नहीं, विश्वास बांधते हैं भक्त

नाथेश्वरनाथ महादेव मंदिर की सबसे खास बात यही है कि यहां लगाया गया हर ताला सिर्फ धातु का एक छोटा सा टुकड़ा नहीं, बल्कि किसी भक्त की उम्मीद और विश्वास का प्रतीक बन जाता है। यही अनोखी परंपरा इस शिवालय को प्रयागराज के धार्मिक स्थलों के बीच एक अलग पहचान देती है।

कांग्रेस का धरना, साहिल को न्याय दो एफआईआर दर्ज करो के लगाए नारे

पवन गुप्ता बोले- साहिल को न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी जी द्वारा दिल्ली के संसद मार्ग थाने के बाहर पैलेट गन से घायल साहिल लोहबच की एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर दिए जा रहे धरने के समर्थन में कानपुर महानगर कांग्रेस के कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में कोतवाली थाने में धरने पर बैठ गए। जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि राहुल गांधी जी ने स्पष्ट किया है कि जब तक साहिल की एफआईआर दर्ज नहीं होती, वे धरने से नहीं हटेंगे। कांग्रेसजन बाहर धरने पर बैठ कर रामधुन गाने लगे। जब शाम को राहुल गांधी के दबाव में एफआईआर लिखी गई तब कानपुर के कांग्रेसजन भी कोतवाली से राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लगाते हुए चले गए।

कानपुर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेसजन कोतवाली पहुंचे और पुलिस से साहिल के मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। धरने के दौरान कांग्रेसजनों की एसीपी एवं थानाध्यक्ष से तीखी नोकझोंक हुई। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि शांतिपूर्ण ढंग से धरना दे रहे जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता सहित सभी कांग्रेसजनों को पुलिस ने बलपूर्वक थाने के अंदर बैठा लिया। इसके बावजूद कांग्रेसजन पीछे नहीं हटे और थाने के भीतर ही रामधुन गाते हुए शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध जारी रखा।

जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि ÷राहुल गांधी देश के एक पीड़ित युवा को न्याय दिलाने के लिए दिल्ली में पुलिस थाने के बाहर बैठे हैं। उसी न्याय की आवाज को मजबूत करने के लिए कानपुर कांग्रेस भी आज थाने में बैठी है। एफआईआर दर्ज करना किसी पर एहसान नहीं, बल्कि पीड़ित को न्याय दिलाने की पहली कानूनी प्रक्रिया है उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखना हर नागरिक का अधिकार है। यदि पुलिस बल के दम पर कांग्रेस की आवाज दबाने की कोशिश की जाएगी तो कांग्रेसजन और मजबूती से लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करेंगे। पवन गुप्ता ने कहा कि साहिल लोहबच को न्याय मिलने तक कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा और राहुल गांधी की न्याय की लड़ाई में कानपुर कांग्रेस पूरी मजबूती के साथ उनके साथ खड़ी है।

कांग्रेसजनों ने इस दौरान ÷साहिल को न्याय दो÷, ÷एफआईआर दर्ज करो÷ के नारे लगाए और रामधुन गाते हुए अपना शांतिपूर्ण सत्याग्रह जारी रखा।राहुल जी के धरने खत्म की सूचना के बाद सब कांग्रेसजन छोड़ दिए गए।पवन गुप्ता,हरप्रकाश अग्निहोत्री,राम शंकर राय,प्रमोद गुप्ता,राकेश साहू,सैमुअल लकी,काजी मलिकुल्लाह,विनय पांडे,इखलाख डेविड,राजेश सिंह,जावेद उस्मानी,राजकुमार वर्मा,शीलू श्रीवास्तव,कृपेश त्रिपाठी,संतोष पाठक,मुकेश कन्नौजिया,आसिफ इकबाल,अमित मिश्रा,विश्वनाथ जायसवाल,दुर्गा मिश्रा,शांतनु दीक्षित,देव राय,जितेंद्र ब्रह्म,चंद्रमणि मिश्रा,आशुतोष शुक्ला,जितेंद्र गिरी, मो इरफान,विनोद अवस्थी,सुमित पंत,मो अकील,सजल तिवारी,इस्लाम सिद्दीकी,उपेंद्र यादव,अर्पित मिश्रा आदि थे।

आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई 4 वर्षीय अपहृत बालक को सकुशल किया बरामद

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई,4 वर्षीय अपहृत बालक को सकुशल किया बरामद। अपहरण कर दिल्ली ले जाए जा रहे बालक को महिला के कब्जे से आरपीएफ ने किया बरामद।

सूचना के आधार पर ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत आरपीएफ ने ट्रेन में की त्वरित कार्रवाई। 12505 ट्रेन के स 6 कोच में संदिग्ध महिला दो बच्चों के साथ मिली। फोटो से मिलान के बाद अपहृत बालक की हुई पहचान। पूछताछ में महिला बालक के संबंध में नहीं दे सकी कोई संतोषजनक जवाब। महिला बालक को नए कपड़े दिलाने के बहाने दिल्ली ले जाने का कर रही थी प्रयास। आरपीएफ कानपुर सेंट्रल ने महिला और बच्चों को असम पुलिस के किया सुपुर्द। असम पुलिस ने महिला के खिलाफ ब्हृस की धाराओं में दर्ज किया मुकदमा। आरपीएफ की सतर्कता से प्लांडेड बाल तस्करी का प्रयास समय रहते हुआ विफल। स्थानीयशहर की गाइड एक्सप्लोर करना

पुलिसकर्मियों से अभद्रता करने के बाद थाने में आत्महत्या का किया प्रयास

कानपुर। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी ने बताया कि थाना नौबस्ता क्षेत्र में एक व्यक्ति द्वारा उसकी पुत्रवधु को मोबाइल नंबर से गाली-गलौज व आपत्तिजनक बातें कर परेशान किए जाने की शिकायत की गई थी। संबंधित दो व्यक्ति नशे की हालत में थाने पहुंचे और पुलिसकर्मियों से अभद्रता की गई जहां जांच के दौरान मेडिकल में शराब सेवन की पुष्टि हुई।थाने में एक व्यक्ति ने आत्महत्या का प्रयास किया तथा बाद में टॉयलेट क्लीनर पीने का प्रयास किया, जिसे पुलिसकर्मियों ने तत्काल रोक लिया। उसे उपचार हेतु हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत सामान्य है। शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है तथा ड्यूटी में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित पुलिसकर्मियों को निलंबित कर प्रकरण की जांच कराई जा रही है।

सिविल डिफेंस की बैठक में वार्डन को किया गया सम्मानित

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सिविल डिफेंस प्रखंड कृष्णा नगर की महत्वपूर्ण बैठक में वार्डन का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड के डिवीजनल वार्डन तथा संचालन प्रभारी सहायक उपनियंत्रक द्वारा किया गया तथा सर्वप्रथम प्रखंड के स्टाफ ऑफिसर ने पधारे मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं अन्य वक्ताओं ने अवगत कराया कि नागरिक सुरक्षा एक स्वैच्छिक सरकारी संगठन है जिसका मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक और मानव-निर्मित आपदाओं, दंगों या युद्ध के समय आम नागरिकों की सुरक्षा करना, राहत बचाव कार्य चलाना और जन-धन की हानि को कम करना है। यह भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन काम करता है। इसके प्रमुख कार्य और उद्देश्य बचाव तथा राहत, आपदा प्रबंधन, मनोबल बढ़ाना, आवश्यक सेवायें बनाए रखना आदि हैं। सभी वार्डेन अवैतनिक एवं निष्काम सेवा से जुड़कर सरकारी योजनाओं में सहभागिता प्रदान करके देशसेवा कर रहे हैं।उसके बाद प्रखंड में रिक्त पदों को अतिशीघ्र भरने, प्रस्तावित आपदा प्रशिक्षण करवाने, सभी वार्डेन का डाटा बैंक तैयार करने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत विचार विमर्श हुआ। इच्छुक युवाओं का संगठन के माध्यम से राष्ट्रसेवा तथा विविध सरकारी मिशन को सफल बनाने में अपना योगदान देने/शामिल होने हेतु वार्डेन सेवा मे जुड़ने का आवाह्न भी किया गया। इस अवसर पर लगभग दो दर्जन सक्रिय वार्डन को तिरंगा सम्मान करते हुए प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। आशा की गयी कि सभी वार्डेन प्रेरणा लेकर सक्रिय भागीदारी करेंगे ताकि प्रखंड कानपुर में पुनः ऊँचा स्थान प्राप्त कर सके।

इस समारोह/कार्यक्रम में प्रखंड के डिवीजनल वार्डन शरद प्रकाश अग्रवाल, स्टाफ ऑफिसर सुखबीर सिंह मलिक, प्रभारी सहायक उपनियंत्रक प्रवीण वर्मा, मुख्य अतिथि चीफ वार्डेन राजीव सिंह के साथ विशिष्ट अतिथि डिप्टी चीफ वार्डेन आशीष बाजपेई तथा डिवीजनल वार्डेन नगर स्तर श्रीमती सीमा अग्रवाल के अलावा अन्य वार्डेन लोगों में शिव शंकर, अरविंद दीक्षित, विकास उमराव, किरण वर्मा, बबीता यादव, हरीश कुमार, प्रमोद अग्निहोत्री, इन्दू प्रभा, विनोद मिश्रा, शिप्रा यादव, कीर्ति दीक्षित, पूजा गुप्ता, अमन वर्मा, मनीष साहू, मनोज कुमार, बादाम सिंह, शैलेश अवस्थी, सत्येंद्र प्रकाश आर्य, येस के मौर्य, अरुण अग्रवाल, प्रदीप भाटिया, अमित श्रीवास्तव, विशाल अग्रवाल, ब्रिज बिहारी साहू, शिव सिंह, जितेंद्र रवि, आदि अनेक वार्डेन उपस्थित रहे।।

पुलिस आयुक्त द्वारा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के साथ संवाद एवं समन्वय बैठक

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस आयुक्त द्वारा पुलिस आयुक्त कार्यालय स्थित सभागार में जनपद के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के साथ संवाद एवं समन्वय बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अपर पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था डॉ. विपिन ताडा एवं अपर पुलिस उपायुक्त/स्टाफ ऑफिसर योगेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर द्वारा निर्मित फिल्म का प्रदर्शन किया गया तथा पुलिस के अनुभवों, सामाजिक जिम्मेदारियों एवं जन-जागरूकता में सोशल मीडिया की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जनपद के विभिन्न मुद्दों को सकारात्मक रूप से उजागर करने एवं जनहित से जुड़े विषयों पर जागरूकता फैलाने में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की भूमिका की सराहना की गई। टेक्नोलॉजी, सोशल मीडिया एवं अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के सुरक्षित एवं सावधानीपूर्वक उपयोग के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा सकारात्मक एवं रचनात्मक कंटेंट के माध्यम से समाज में जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया गया।

इन्फ्लुएंसर्स द्वारा अपने अनुभव एवं स्टोरी साझा की गई तथा जनहित के मुद्दों पर त्वरित संवाद एवं आपसी समन्वय बनाए रखने पर सहमति बनी। युवाओं की तकनीकी समझ, नई सोच एवं सृजनात्मक दृष्टिकोण की सराहना करते हुए समाज में सकारात्मक संदेश एवं जागरूकता प्रसारित करने में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया गया।

जलाभिषेक प्रदर्शन कर मैट्रो को मनाने और सड़क बनाने की मांग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पिछले चार साल से मैट्रो द्वारा खोदी सड़क जो कि अब जानलेवा सड़क है। जिसको लेकर वार्ड 14 की पार्षद शालू सुनील कनौजिया पार्षद ने महिलाओं के साथ जलाभिषेक प्रदर्शन कर मैट्रो को मनाने और सड़क बनाने की मांग की पार्षद शालू सुनील कनौजिया ने महिलाओं के साथ लोटा और उसमें जल लेकर प्रदर्शन करते हुए मैट्रो के प्रतिकात्मक बोर्ड पर सभी महिलाओं के साथ जल चढ़ा कर सड़क बनवाने की मांग की।इस दौरान पार्षद शालू सुनील कनौजिया ने कहा कि मैट्रो ने जुही हमीरपुर रोड को नरक बना कर रख दिया है इस सड़क पर पिछले चार साल में दो मौतें सैकड़ों लोग चुटहिल और जाने कितने लोग स्लिपडिस्क का शिकार हो गये हैं। जलकल की लापरवाही और ध्यान न देने के कारण भी मैट्रो ने लाइनों को सही नही डाला जिसकी वजह से कहीं लो प्रेशर कही दूषित पानी और कहीं सीवर भराव की समस्या हो गई है।पार्षद ने मुख्यमंत्री जी से मांग करते हुए कहा कि मैट्रो ने जो भी यूटीलिटी डायवर्सन जुही हमीरपुर रोड से ट्रांसपोर्ट नगर तक किया है। उन सबकी जांच शासन द्वारा निर्धारित उच्च कमेटी बनाकर जांच कराने के साथ ही साथ तमाम टैक्स देने के बाद भी मैट्रो की वजह से कष्ट झेल रहे हैं। उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाये। कार्यक्रम में शामिल मुख्य रूप से सौम्या वर्मा, पूनम, सुमन, शशिकला, लक्ष्मी यादव, शर्मिला, सीमा, मीरा, रीता, मीना सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

नगर निगम के अधिकारी बैठक से नदारद, अपर नगर आयुक्त को कारण बताओ नोटिस

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गंगा में प्रदूषण कम करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों के नालों की टैपिंग और शोधन की तैयारी तेज होगी। ड्रोन सर्वे में चिह्नित नालों के शोधन के लिए तीन स्थानों पर वेटलैंड विकसित करने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। जल निगम के सहयोग से प्रस्ताव तैयार कर बजट स्वीकृति के लिए राज्य स्वच्छ गंगा मिशन और राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन को भेजा जाएगा।

गुरुवार को सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जिलाधिकारी एवं जिला गंगा समिति के अध्यक्ष जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में समिति की मासिक समीक्षा बैठक हुई। इसमें राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की ओर से कराए गए ड्रोन सर्वे के आधार पर चिह्नित ग्रामीण नालों की टैपिंग और शोधन की स्थिति की समीक्षा की गई। जिला पंचायत राज अधिकारी ने बताया कि जल निगम शहरी एवं ग्रामीण के सहयोग से तीन स्थानों का चयन कर वेटलैंड निर्माण का विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

एक सप्ताह में डेटा पूरा कर सत्यापित करें टाइमलाइन

जिला गंगा योजना के प्रारूप का भी बैठक में प्रस्तुतीकरण किया गया। जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी विभागों को एक सप्ताह के भीतर अपने से संबंधित कार्यों की निर्धारित टाइमलाइन का सत्यापन करने और आवश्यक डेटा पूरा करने के निर्देश दिए। इसके बाद जिले की जिला गंगा योजना का अंतिम ड्राफ्ट अनुमोदन एवं क्रियान्वयन के लिए राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि गंगा संरक्षण से जुड़ी योजनाओं में विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और निर्धारित समयसीमा में कार्यों को पूरा कराएं।

अपर नगर आयुक्त से मांगा जवाबबैठक की पूर्व सूचना के बावजूद नगर निगम के सक्षम अधिकारियों के उपस्थित नहीं होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने अपर नगर आयुक्त को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही नगर आयुक्त को इस संबंध में पत्र भेजने को कहा। जिलाधिकारी ने अटल घाट पर गंगा आरती एवं अन्य व्यवस्थाओं से जुड़े लंबित कार्यों को भी अविलंब पूरा कराने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, प्रभागीय वनाधिकारी, जिला परियोजना अधिकारी जिला गंगा समिति सहित समिति के सदस्य एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने खेरेश्वर मंदिर का निरीक्षण करने के साथ भगवान भोलेनाथ को चढ़ाया जल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नागपंचमी पर्व के दृष्टिगत श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने शिवराजपुर स्थित प्रसिद्ध खेरेश्वर मंदिर का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मंदिर परिसर, प्रवेश एवं निकास मार्ग तथा सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए भीड़ प्रबंधन के प्रभावी इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों की सतत निगरानी रखने, भीड़ बढ़ने की स्थिति में तत्काल आवश्यक कदम उठाने तथा पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ व्यवस्थाएं संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन, पार्किंग, यातायात व्यवस्था तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित करने को कहा।

जिलाधिकारी ने खेरेश्वर मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक कर जनपदवासियों के सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की मंगलकामना की। उन्होंने जनपदवासियों को नागपंचमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी श्रद्धालुओं से शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से दर्शन-पूजन करने की अपील की।

कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर 15 लाख का गांजा बरामद, तस्कर गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। थाना जीआरपी कानपुर सेंट्रल और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन से 15 लाख रुपये से अधिक कीमत का अवैध मादक पदार्थ बरामद करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।

20 अगस्त को रात समय 00.40 बजे प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी कानपुर सेंट्रल ओम नारायण सिंह व आरपीएफ पोस्ट प्रभारी सिद्धनाथ पाटीदार के नेतृत्व में टीम चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सर्कुलेटिंग एरिया, कैंट साइड, सुलभ शौचालय के पीछे पीपल के पेड़ के नीचे एक ट्राली बैग लेकर एक संदिग्ध व्यक्ति वहाँ खड़ा हुआ था। मौके पर उससे पूछताछ की तो हड़बड़ा कर भागने की कोशिश की तो तत्काल रेलवे पुलिस बल ने उसको अपनी गिरफ्त में ले लिया और बैग की तलाशी ली तो उस बैग में गांजा मिला, तब उसने बताया की मैं उड़ीसा से गांजा लेकर दिल्ली के आनंद बिहार जा रहा था। पेड़ के नीचे बैठ कर आनंद विहार जाने वाली ट्रेन का इंतजार कर रहा था।

पकड़े गए अभियुक्त की पहचान, विनय कुमार शर्मा पुत्र ध्रुव शंकर शर्मा, निवासी ग्राम रामा छपरा, थाना दुरौंधा, जिला सिवान (बिहार), उम्र 36 वर्ष है तलाशी के दौरान उसके ट्रॉली बैग से 13 किलो 650 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 15 लाख रुपये से अधिक है। पुलिस अभियुक्त के अन्य साथियों और अभियुक्त के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है।

असुरक्षित घोषित 398 किलो सीज हल्दी गायब, श्यामा ट्रेडर्स के मालिक समेत तीन पर एफआईआर दर्ज

» लैब रिपोर्ट में सेहत के लिए खतरनाक पाई गई थी हल्दी

» खाद्य विभाग की अभिरक्षा से माल गायब करने पर चकेरी थाने में मुकदमा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की कार्रवाई के बाद सीज की गई लगभग 398 किलोग्राम मिलावटी और असुरक्षित हल्दी गायब करने का गंभीर मामला सामने आया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेंद्र कुमार की तहरीर पर चकेरी पुलिस ने मेसर्स श्यामा ट्रेडर्स के मालिक विजय चौरसिया, खाद्य कारोबारकर्ता आशीष कुमार चौरसिया और रिक्कू चौरसिया के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(2), 61(2), 223 व 3(5) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। आहार

निरीक्षण के दौरान सीज किया गया था माल

खाद्य विभाग की टीम ने 11 जून को चकेरी द्वितीय औद्योगिक क्षेत्र स्थित एफ-27, मेसर्स श्यामा ट्रेडर्स का औचक निरीक्षण किया था। मौके पर मौजूद आशीष कुमार चौरसिया ने प्रतिष्ठान का मालिक और लाइसेंसधारक विजय चौरसिया को बताया। जांच के दौरान वहां 16 बोरियों में रखी करीब 400 किलो हल्दी पाउडर मिला।

संदेह होने पर टीम ने 2 किलो हल्दी का सैंपल जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा और शेष 398 किलो हल्दी (अनुमानित कीमत 1.19 लाख) को सीज कर कारोबारी की सुपुर्दगी (सुरक्षित अभिरक्षा) में दे दिया।

लैब रिपोर्ट में हुआ खुलासा, री-इंस्पेक्शन में माल मिला गायब

10 अगस्त को आई लैब रिपोर्ट में हल्दी का नमूना अधोमानक और मानव उपभोग के लिए असुरक्षित पाया गया। इसके बाद आयुक्त खाद्य सुरक्षा उत्तर प्रदेश के आदेश पर 11 अगस्त को संयुक्त टीम ने दोबारा प्रतिष्ठान पर छापा मारा। निरीक्षण के दौरान कारोबारी की सुपुर्दगी में दिया गया 398 किलो सीज माल मौके से नदारद मिला।

कानूनी कार्रवाई

सीज माल को गायब करने की पुष्टि होने के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने तत्काल चकेरी थाने में तहरीर देकर तीनों आरोपियों पर बीएनएस की धाराओं में मामला दर्ज कराया। विभाग के अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम की धारा 60 के तहत भी पृथक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

तेज बारिश से भरा थाने में पानी, कामकाज हुआ प्रभावित

पानी में थाने के अंदर रखी मेज, कुर्सी तक डूबी, दमकल टीम ने उपकरणों की सहायता से निकाला पानी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर के साथ थाने में बारिश के बाद पानी भर गया, जिससे थाने में रखी मेजकुर्सी तक पानी में डूब गयी। बुधवार की रात भीषण बारिश के कारण जल भराव के हालात बन गय। थाने के अलावा पूरे शहर में जगह-जगह जल भराव की स्थिति बनी रही।

जानकारी के अनुसार बुधवार की रात तेज बारिश के दौरान घाटमपुर क्षेत्र के साढ थाने में पानी भर गया। पूरा थाना किसी टापू की तरह लग रहा था। हालात यह कि थाने में रखी मेज व कुर्सी तक पानी में डूब गयी। ऐसे में पुलिसकर्मियों को जहां काफी परेशानी हुई तो थाने का काम-काज भी प्रभावित रहा। मौके पर फायर स्टेशन से पहुंचे कर्मचारियों ने पंपिग सेट तथा अन्य उपकरणों की सहयता से पानी निकालने का काम शुरू किया। यहीं हालात लगभी पूरे शहर में रहे। शहर के बाहरी क्षेत्रों की हालत और भी खराब हो गयी। कई दिनों से होने वाली बारिश ने सडकों की हालत दयनीय कर दी है। रोड पर बजरी फैली है जो हादसों को दावत दे रही है, लेकिन सम्बन्धित विभाग मुख्य रोडो की सफाई तक नही करा रहा है।

पोस्टमार्टम हाउस कर्मचारियों व जीआरपी कांस्टेबल के बीच विवाद

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पोस्टमार्टम हाउस के कर्मचारियों और जीआरपी कॉस्टेबल के बीच हुए विवाद के दौरान जलकर लात-घूंसे चले। विवाद के बाद कार्यवाही की मांग को लेकर पोस्टमार्टम के कर्मचारियों ने काम बंद करके आरोपी कॉस्टेबल के खिलाफ कार्यवाही की मांग की। समझाने के बाद जब बात नही बनी तो कार्यवाही का आश्वासन दिया गया।

जानकारी के अनुसार सोमवार की देर रात जीआरपी कॉस्टेबल से कागज मागने पर विवाद के दौरान कॉस्टेबल ने पोस्टर्माटम के कर्मचारियों को जमकर लात-घूसे से पीट दिया। कर्मचारी की पिटाई की सूचना मिलते ही बांकी के पोर्टमार्टम कर्मचारियों ने काम बंद कर दिया और कार्यवाही की मांग करते रहे। इस बीच पोस्टमार्टम हाउस प्रभारी ने कर्मचारियों को समझाने की कोशिश भी की लेकिन सभी प्रयास असफल साबित हुए। इसके उपरान्त जीआरपी दरोगा ओम नारायण सिंह पोस्टमार्टम हाउस पहुचें और कर्मचारियों की बात सुनी। इसके साथ ही पीडित कर्मचारी ने स्परूप नगर थाने पहुंचकर आरोपी कॉस्टेबल के खिलाफ तहरीर दी।

पोस्टमार्टम कर्मचारी कल्लू ने बताया कि सोमवार की देर रात लगभग डेढ बजे जीआरपी कॉस्टेबल एक शव लेकर पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और दरवाजा खटखटाया। पूंछने पर उन्होने अपना परिचय देते हुए अपना नाम कांस्टेबल मंगला प्रसाद बताया व कहा कि वह फतेहपुर निवासी रिशू नाम के युवक का शव रखवाने आये है, कागजों को लेकर उनसे कहा सुनी हुई थी।

न्यू कानपुर सिटी में नवरात्र तक लाई जा सकती है योजना

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर डेवलपमेंट अर्थाटी की न्यू कानपुर सिटी योजना तब रंग ला रही है। बीते दिनों भूमि अधिग्रहण की अडचन खत्म हो गयी है। जो योजना लाई जा रही है उसके लिए 15331 हेक्टेयर जमीन पर की जायेगी, जिसमें अभी तक 108 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जा चुका है। बताया जाता है आने वाले माह में बांकी बची जमीन का भी अधिग्रहण कर लिया जायेगा।

न्यू कानपुर सिटी में 45 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण करने के उपरान्त बाकी बची जमीन के अधिग्रहण का कार्य तेजी से किये जाने का प्रयास जारी है। बता दें केडिए द्वारा मैनावती मार्ग से लेकर सिंह पुर और सिंहपुर से कल्याणपुर के बीच में न्यू सिटी योजना लायी जा रही है, जिमसें 75 करोड रूपये से ड्रेनेज, पेयजल, सीवरेज और सडक के निर्माण के लिए कार्य हो रहे है।इस योजना में बाधा बनी किसानों की जमीनों के अधिग्रहण के मामले को भी सुलझा लिया गया है। पूर्व में किसानों ने अपनी जमीनों पर नई दरों से मुआवजा देने को लेकर विवाद भी चला था वहीं भूमि अधिग्रहण को लकर किसानों की कोर्ट में लगाई गयी याचिका को भी निरसत कर दिया गया था। बताया जाता है कि विकास कार्य कराए जा रहे है। नवरात्र में योजना लाने की तैयारी की जा रही है।

नगर निगम व स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ सात दिवसीय नाली, झाड़ू, कूड़ा आंदोलन की हुई शुरुआत

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। लगातार सफाई व्यवस्था को लेकर त्रस्त वार्ड 14 की पार्षद शालू सुनील कनौजिया ने महिलाओं को लेकर नगर निगम स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ सात दिवसीय नाली, झाड़ू, कूड़ा आंदोलन की शुरुआत की। कार्यक्रम के पहले दिन पार्षद शालू सुनील कनौजिया और पूर्व पार्षद सुनील कनौजिया ने महिलाओं के साथ नाली और झाड़ू का सफाई कार्य किया।

पार्षद शालू सुनील कनौजिया ने कहा कि वार्ड में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है लगातार शिकायत के बाद भी जगह-जगह कूड़े के ढेर और बजबजाती नालियों ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है वातानुकूलित कमरों में बैठे अधिकारियों को मलिन बस्ती में रहने वाले लोगों के बदबू और गंदगी से भरे नारकीय जीवन का एहसास नहीं होता है लेकिन जो लोग रहते हैं वह कैसे जीते हैं सिर्फ वही जानते हैं।

लगातार कूड़े के ढेर और बजबजाती नालियों ने लोगों को बीमार कर दिया है गरीब आदमी बहुत मुश्किल से इलाज करा पाता है। पार्षद शालू सुनील कनौजिया ने कहा कि एक सप्ताह सफाई अभियान के बाद स्वास्थ्य विभाग के अंदर के भ्रष्टाचार को भी उजागर करने का आठवें दिन कार्य किया जाएगा। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से अभिषेक दीक्षित, अविनाश सिंह ,शर्मिला, संगीता, माया, सुमन, सरिता, शालू जायसवाल, पूनम जायसवाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

घर में चोरी करने घुसा चोर, सीसी टीवी में दिखा चोर का चेहरा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। थाना बाबू पुरवा क्षेत्र के अंतर्गत मुंशी पुरवा, रामलीला मैदान के सामने रहने वाले उत्तम सिंह भदौरिया के घर 16 अगस्त 2026, रात्रि करीब 3ः00 बजे एक चोर ने घर पर चोरी करने की नियत से घुसा और चोरी की।

बताया जाता है कि चोर ने छत पर बने कमरे में घुस कर चोरी की, जिसमें उसने अलमारी में लगे लॉकर को भी तोड़ दिया। चोरी के दौरान चोर को कुछ भी नहीं मिला क्योंकि उसमें सिर्फ कपड़े थे। जल्दबाजी में चोर अपनी धार दार चाकू मौके पर छोड़ कर के चला गया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरा में कैद हो गई जिसमें चोर का चेहरा साफ दिख रहा है।

आगामी बारावफात को लेकर पीस कमेटी की हुई बैठक

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सद्भावना चौकी (थाना बेकनगंज) में पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आगामी बारावफात पर्व के दृष्टिगत शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु जुलूस आयोजकों/प्रबंधकों के साथ पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सहायक पुलिस आयुक्त अनवरगंज एवं प्रभारी निरीक्षक बेकनगंज सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में बारावफात पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने, जुलूस के दौरान कानून-व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने, निर्धारित मार्ग एवं समय का पालन करने तथा आपसी भाईचारा एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई।

पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल द्वारा उपस्थित लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने, सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भ्रामक, आपत्तिजनक अथवा भड़काऊ सामग्री प्रसारित न करने तथा किसी समस्या/संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई। साथ ही पर्व के दौरान सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती एवं आवश्यक सुरक्षा प्रबंध किए जाने का आश्वासन दिया गया।

कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार का निधन, 1984 सिख विरोधी दंगा मामले में काट रहे थे उम्रकैद

» बीपीएस न्यूज

चंडीगढ़ ।1984 के सिख विरोधी दंगा मामले में दोषी ठहराए गए पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार का बृहस्पतिवार को निधन हो गया। उन्हें तबीयत बिगड़ने के बाद सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत अवस्था में लाया गया घोषित किया गया।

उनके निधन की जानकारी सामने आ गई है। सज्जन कुमार तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे थे। 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े मामलों में उन्हें दोषी ठहराया गया था। वह दिल्ली की बाहरी दिल्ली लोकसभा सीट से कांग्रेस के सांसद भी रह चुके थे।दिल्ली हाई कोर्ट ने दिसंबर 2018 में सज्जन कुमार को 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान पांच लोगों की हत्या और गुरुद्वारे को जलाने के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। बाद में फरवरी 2025 में उन्हें एक अन्य मामले में भी पिता-पुत्र की हत्या के लिए दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई गई।जनवरी 2026 में दिल्ली हाई कोर्ट ने 1984 दंगा मामले से जुड़े एक मामले में सज्जन कुमार को बरी कर दिया था। अदालत ने कहा था कि हत्या के आरोपों को साबित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं थे। हालांकि, अन्य मामलों में मिली सजा के कारण उनकी जेल से रिहाई नहीं हुई थी।सज्जन कुमार ने 1980, 1991 और 2004 में लोकसभा चुनाव जीतकर संसद में प्रतिनिधित्व किया था।

2018 में दोषसिद्धि के बाद उन्होंने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था।

अमेरिका ने तो ट्रेलर दिखाया भारत पूरी पिक्चर दिखाने वाला है!

500 किलो के बंकर बस्टर बम की टेस्टिंग से कांप उठेगा पाकिस्तान

» स्वदेशीकरण और रणनीतिक फ़ायदा

» एयरक्राफ्ट के पाइलन पर बम लगाए जाएंगेएजेंसियों ने कई स्थानों पर चलाया सघन तलाशी अभियान

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली।भारत का रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन और भारतीय वायु सेना सितंबर-अक्टूबर 2026 में Su-30MKI फाइटर एयरक्राफ्ट से स्वदेशी PGB-500 प्रिसिजन-गाइडेड बम का फ्लाइट टेस्ट करने वाले हैं। 500 किलोग्राम के वॉरहेड से लैस यह बम मजबूत बंकरों, कमांड सेंटरों और रणनीतिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने के लिए बनाया गया है। ट्रायल के दौरान, एयरक्राफ्ट पर बम को ले जाने, एरोडायनामिक बैलेंस और सुरक्षित तरीके से बम गिराने जैसी बातों की जांच की जाएगी। इसके गाइडेंस सिस्टम में GPS/INS के साथ-साथ सटीक टारगेट पर निशाना लगाने की क्षमता भी शामिल होने की उम्मीद है। PGB-500 देश में बने सटीक निशाना लगाने वाले बमों की श्रेणी का हिस्सा है। यह भारी श्रेणी का हथियार है जो बहुत सटीकता के साथ मजबूत टारगेट को भेदने में सक्षम है। सफल ट्रायल के बाद, इसे सशस्त्र बलों में शामिल किया जाएगा।पाकिस्तान, बांग्लादेश या म्यांमार जैसे पड़ोसी देशों में छिपे आतंकवादियों के बंकर या ज़मीन के नीचे बने ठिकानों को अब पूरी तरह से नष्ट कर दिया जाएगा। Su-30MKI में पहले से ही ब्रह्मोस, अस्त्र और रुद्रम जैसे हथियार लगे हैं; इस बम के जुड़ने से विमान की हमला करने की क्षमता और बढ़ जाएगी। सफल परीक्षणों के बाद इसे सशस्त्र बलों में शामिल किया जाएगा।शुरुआत में एक कैरिज टेस्ट किया जाएगा जिसमें बम को एयरक्राफ्ट के पाइलन पर लगाया जाएगा; इससे एरोडायनामिक लोड, ड्रैग और हैंडलिंग की विशेषताओं का पता चलेगा।

इसके बाद, एक रिलीज़ टेस्ट में सुरक्षित अलग होने, नेविगेशन बैलेंस और गाइडेंस की सटीकता की जांच की जाएगी। ये टेस्ट DRDO और IAF की संयुक्त कोशिशों से किए जाएंगे। सफल टेस्टिंग के बाद ऑपरेशनल मूल्यांकन किया जाएगा। Su-30MKI जैसे मल्टी-रोल प्लेटफॉर्म पर, यह हथियार नेटवर्क-सेंट्रिक वॉरफेयर में बहुत असरदार साबित होगा।यह प्रोजेक्ट मेक इन इंडिया पहल का हिस्सा है। DRDO, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और प्राइवेट इंडस्ट्रीज़ के साथ मिलकर काम कर रहा है।

घरेलू उत्पादन से सप्लाई चेन मज़बूत होगी और लागत कम होगी। इससे भारत की सटीक हमला करने की क्षमता बढ़ेगी, जिससे सीमा सुरक्षा और रणनीतिक क्षमताएँ मज़बूत होंगी। अन्य स्वदेशी हथियारों के साथ-साथ, इससे वायु सेना और भी ज़्यादा सक्षम बनेगी। सफल परीक्षण के बाद सेना में शामिल करने और बड़े पैमाने पर उत्पादन की प्रक्रिया शुरू होगी। यह भारत की रक्षा औद्योगिक क्षमता की परिपक्वता को दर्शाता है। क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों के बीच स्वदेशी हथियारों का विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है।

हिंसा और पुलिस ज्यादती की जांच करेगा सुप्रीम कोर्ट का पैनल, जस्टिस आर सुभाष रेड्डी संभालेंगे कमान

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले महीने हुए छात्र विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा और पुलिस की ज्यादतियों के आरोपों की जांच के लिए एक हाई-पावर्ड कमेटी बनाई है। इस कमेटी की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी करेंगे। यह कमेटी प्रदर्शनकारियों द्वारा की गई हिंसा के आरोपों की भी जांच करेगी और यह देखेगी कि अधिकारियों द्वारा बल का प्रयोग कानूनी और उचित था या नहीं। इस कमेटी में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस रवि शंकर झा, दिल्ली हाई कोर्ट की पूर्व जज जस्टिस शालिंदर कौर, पूर्व डायरेक्टर ऋषि कुमार शुक्ला और मेघालय के पूर्व छ्रुक्क एलआर बिश्नोई शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह पैनल इसके सदस्यों की विशेषज्ञता, अनुभव और विविधता को ध्यान में रखकर बनाया गया है। कोर्ट ने भरोसा जताया कि पैनल की सिफारिशें मुद्दों का पूरी तरह से आकलन करने में कोर्ट की मदद करेंगी। खास बात यह है कि कोर्ट ने साफ़ किया कि HPC की जांच सिर्फ़ एक बार की प्रक्रिया नहीं होगी। यह मुद्दों का लगातार और समय-समय पर आकलन करेगी और कोर्ट को अंतरिम नतीजे सौंपेगी, जिससे कोर्ट ज़रूरी कदम उठा सके और ज़रूरत पड़ने पर निर्देश जारी कर सके।

एबीवीपी और वामपंथी गुट के बीच हुई हिंसक झड़प में कई लोग घायल, हाई कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से किया इनकार

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। जादवपुर विश्वविद्यालय में वामपंथी छात्र संगठनों और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के बीच चल रहा संघर्ष कलकत्ता उच्च न्यायालय तक पहुंच गया है। याचिकाकर्ताओं ने परिसर में हुई हिंसक झड़पों के संबंध में तत्काल हस्तक्षेप और सुनवाई की मांग करते हुए न्यायालय से संपर्क किया। याचिका में हिंसा को विश्वविद्यालय से संबंधित एक लंबित मामले से जोड़ने का अनुरोध किया गया है ताकि तत्काल सुनवाई सुनिश्चित की जा सके।हालांकि, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश तापब्रता चक्रवर्ती की खंडपीठ ने इस मामले पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। पीठ ने पहले दायर याचिका के तहत इस घटना पर सुनवाई करने से मना कर दिया और आवेदकों को इसके बजाय एक नया अलग मामला दायर करने का निर्देश दिया। इस निर्णय के कारण हालिया परिसर अशांति पर न्यायिक प्रतिक्रिया तब तक स्थगित रहेगी जब तक कि उचित कानूनी प्रक्रिया के बाद औपचारिक याचिका प्रस्तुत नहीं की जाती।यह कानूनी कार्रवाई इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय छात्र संघ (स्न्नश्चञ्जस्) की आम सभा की बैठक के दौरान भड़की भीषण झड़पों के बाद की गई है। वामपंथी समूहों दोनों ने शिकायतें दर्ज कराईं और जवाबी विरोध प्रदर्शन आयोजित किए।

जादवपुर 8बी इलाका युद्धक्षेत्र में तब्दील प्रदर्शनकारी छात्रों में झड़प, बैरिकेड तोड़े गए

कोलकाता। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के सदस्यों द्वारा आयोजित एक विशाल रैली के कारण गुरुवार को जादवपुर 8बी बस स्टैंड क्षेत्र के आसपास तनाव काफी बढ़ गया। यह प्रदर्शन बुधवार की देर रात जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर में हुई हिंसक झड़पों के विरोध में आयोजित किया गया था। भारी पुलिस बल ने रैली के मार्ग पर तैनात होकर स्थानीय पुलिस स्टेशन के सामने सख्त बैरिकेड लगा दिए ताकि जुलूस को विश्वविद्यालय के द्वार की ओर बढ़ने से रोका जा सके।जैसे ही जुलूस नाकाबंदी के पास पहुँचा, प्रदर्शनकारियों ने पुलिस बैरिकेड्स को जबरदस्ती तोड़ने का प्रयास किया। इस टकराव से व्यस्त चौराहे पर अफरा-तफरी मच गई, जिसके चलते पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा।

रेप केस में 10 साल की सजा को चुनौती, तरुण तेजपाल ने बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

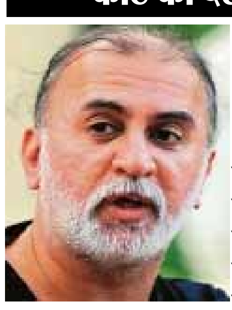

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। पत्रकार तरुण तेजपाल ने 2013 के यौन उत्पीड़न मामले में अपनी दोषसिद्धि को चुनौती देने के लिए वीरवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। बंबई हाई कोर्ट के छह अगस्त के आदेश के खिलाफ यह अपील अधिवक्ता आदित्य समद्दार के माध्यम से दायर की गई है।

इससे पहले गोवा सरकार ने तहलका के पूर्व संपादक की सजा बढ़ाए जाने का अनुरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। सरकार का कहना है कि इस मामले में आजीवन कारावास की सजा दी जानी चाहिए। हाई कोर्ट ने तेजपाल को बलात्कार का दोषी ठहराते हुए 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। उसने अधीनस्थ अदालत द्वारा पांच साल पहले तेजपाल को बरी किए जाने के फैसले को पलट दिया था।

गोवा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा है कि हाई कोर्ट द्वारा दी गई

सजा तेजपाल के अपराधों की प्रकृति और गंभीरता के अनुपात में बेहद कम है। तेजपाल को 2013 में गोवा में तहलका पत्रिका द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान होटल की लिफ्ट में अपनी एक कनिष्ठ सहकर्मी से बलात्कार का दोषी ठहराया गया है। तेजपाल (62) ने दावा किया था कि वह राजनीतिक प्रतिशोध का शिकार हुए हैं।

श्रीलंका में सामूहिक कब्रगाह की खुदाई के दौरान निकले 582 कंकाल, खिलौने और दूध की बोतलें भी मिलीं

» बीपीएस न्यूज

श्रीलंका । एक सामूहिक कब्र की खुदाई में 582 कंकाल मिले हैं, जिनमें बच्चों और शिशुओं के कंकाल भी शामिल हैं। माना जा रहा है कि ये अवशेष उन आम नागरिकों के हैं जो श्रीलंका के खूनी गृहयुद्ध के दौरान लापता हो गए थे। यह युद्ध सरकारी बलों और (तमिल टाइगर्स) के बीच हुआ था, जो एक स्वतंत्र तमिल राज्य की मांग कर रहे थे। जाफ़ना के पास चेम्मानी में खुदाई के दौरान खिलौने, दूध की बोतलें, स्कूल बैग, जूते और चूड़ियाँ जैसी चीज़ें भी मिली हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, एक ऐसा इंसानी कंकाल भी मिला जिसके दोनों हाथ छाती पर बंधे हुए थे।

यह चेम्मानी में अपनी तरह की सबसे बड़ी खोज है। यह जगह उन आरोपों से जुड़ी है जिनमें कहा गया है कि श्रीलंकाई सेना ने गृहयुद्ध के दौरान तमिल नागरिकों की हत्या की थी। पिछले साल, इसी सामूहिक कब्र वाली जगह से 240 इंसानी कंकाल मिले थे। 1998 से ही चेम्मानी के सामूहिक कब्र वाली जगह होने का शक था।

श्रीलंका के एक सैनिक ने, जिस पर उस समय एक स्कूली छात्रा के रेप और हत्या का मुक़दमा चल रहा था, जांच करने वालों को बताया कि सेना की हिरासत में मौजूद 300-400 तमिलों को मारकर चेम्मानी में दफ़ना दिया गया था। 1999 में खुदाई का आदेश दिया गया था, जिसमें 15 कंकाल मिले थे। सरकारी जांच से पता चला कि 15 में से 10 कंकालों पर बुरी तरह मारपीट के निशान थे। इसके बाद जांच रोक दी गई थी। दशकों की देरी और फंड की कमी के बाद ये नई खोजें सामने आई हैं।

खास बात यह है कि बुधवार को हुई यह खोज, कंस्ट्रक्शन वर्करों द्वारा हिंदू श्मशान घाट के पास कंकाल मिलने के कुछ महीनों बाद हुई है। इसी वजह से अभी की खुदाई शुरू की गई। सरकार ने सामूहिक कब्रों की खुदाई के लिए £47,000 (लगभग 62 लाख रुपये) आवंटित किए हैं। 1983 में शुरू हुई लड़ाई में वेलुपिल्लई प्रभाकरन के नेतृत्व वाले LTTE और सरकारी बलों के बीच 1,00,000 से ज़्यादा लोग मारे गए थे। दशकों की लड़ाई के बाद, यह संघर्ष LTTE की हार के साथ खत्म हुआ। हालांकि, इस संघर्ष में हज़ारों लोग, मुख्य रूप से अल्पसंख्यक तमिल, लापता हो गए।

तेंदुए ने बच्चे का सिर व पेट खाया खेत में पड़े मिले शव के टुकड़े

» बीपीएस न्यूज

बिजनौर। गांव खुशहालपुर मड़का उर्फ आरफपुर खजूरी में गुलदार (तेंदुए) ने छह वर्षीय नक्श उर्फ लालू पुत्र भूदेव कश्यप को मार डाला। वह अपने भाई के साथ गांव में ही रहने वाले फूफा के घर जा रहा था। अचानक लापता होने पर परिजन रात भर उसे तलाशते रहे। बृहस्पतिवार सुबह गांव से करीब 300 मीटर दूर खेत में बालक के शरीर के अवशेष पड़े मिले। ग्रामीणों ने वन विभाग पर उदासीनता का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया।नक्श के अचानक लापता हो जाने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी और रातभर उसकी तलाश करते रहे। किसी को यह अंदेशा नहीं था कि बालक को गुलदार ले गया है। सुबह तलाश के दौरान गांव से लगभग 300 मीटर के फासले पर गन्ने के खेत से बालक के शरीर के अवशेष मिले। गुलदार ने बालक के सिर और पेट से नीचे का भाग पूरी तरह खा लिया। उसके पैर का निचला हिस्सा पास ही पड़ा मिला। यह देखकर परिजनों में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर सामाजिक वानिकी के रेंजर रामकुमार, डिप्टी रेंजर हरगोविंद सिंह टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। एसडीएम शैलेंद्र कुमार सिंह, सीओ आकांक्षा गौतम, प्रभारी अमित कुमार ने घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी की।

उत्तर भारत में मानसूनी आफत: प्रयागराज हुआ पानी-पानी, हिमाचल और उत्तराखंड में भूस्खलन से तीन-तीन लोगों की मौत

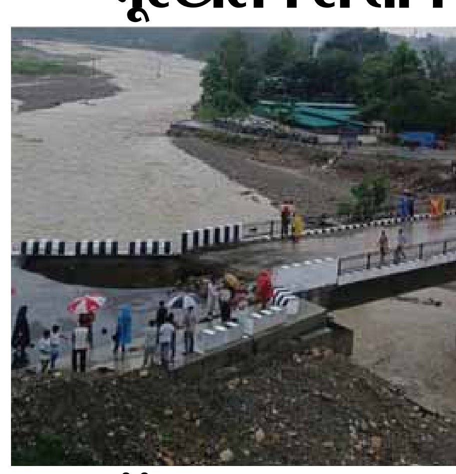

» बीपीएस न्यूज

प्रयागराज/देहरादून/शिमला । मानसूनी बारिश और नदियों के बढ़ते जलस्तर ने उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में गंभीर स्थिति पैदा कर दी है। जहां एक तरफ उत्तर प्रदेश में गंगा और यमुना के उफान से बाढ़ का संकट गहरा गया है, वहीं पहाड़ी राज्यों में भूस्खलन और मकान ढहने जैसी घटनाओं में कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है।

कानपुर गंगा बैराज के सभी 30 गेट खोल दिए गए हैं, जहां से 2,95,637 क्यूसेक पानी प्रति सेकंड गंगा नदी में छोड़ा जा रहा है। 24 घंटे के भीतर यमुना का जलस्तर नैनी में 59 सेंटीमीटर और छतनाग में 57 सेंटीमीटर बढ़ गया है। फाफामऊ में गंगा 80.39 मीटर पर बह रही है, जो प्रयागराज के 84.734 मीटर के खतरे के निशान से लगभग 4.34 मीटर नीचे है। कानपुर से छोड़े जा रहे इस पानी के कारण प्रयागराज और कौशांबी के कछारी व निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा काफी बढ़ गया है।

कमरऊ क्षेत्र के बागनाधार स्थित खदान में हुए भूस्खलन में दबे तीनों मजदूरों के शव मलबे से बरामद कर लिए गए हैं। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, प्रदेश में 167 सड़कें, 222 पेयजल योजनाएं और 130 बिजली ट्रांसफार्मर ठप हो गए हैं। कालका-शिमला रेललाइन पर मलबा आने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से चार ट्रेनें रद्द करनी पड़ीं, जबकि सुजानपुर टीहरा में सर्वाधिक 156.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। 30 जून से 19 अगस्त तक इस मानसून सीजन में राज्य में 205 लोगों की मौत हो चुकी है और कुल 11,03,326.75 लाख रुपये का आर्थिक नुकसान आंका गया है।

द्वारीखाल ब्लॉक के महरगांव में भारी बारिश के दौरान पहाड़ी से गिरे मलबे की चपेट में आकर एक मकान ढह गया। इस दर्दनाक हादसे में एक दो वर्षीय बच्चे (रुद्रांश), एक वृद्धा (मथुरा देवी) और एक पुरुष (धीरेंद्र सिंह) की मलबे में दबने से जान चली गई। एसडीआरएफ और प्रशासन की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक महिला (विदेश्वरी देवी) को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जिला प्रशासन द्वारा मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये और क्षतिग्रस्त मकान के लिए दो लाख रुपये की फौरी सहायता प्रदान की गई है।

पहली पत्नी के रहते अगर दूसरी शादी की तो सैलरी में होगी 20 प्रतिशत कटौती

» बीपीएस न्यूज

असम में हिमंत बिस्वा सरमा सरकार ने राज्य के सरकारी कर्मचारियों के आचरण और पारिवारिक जवाबदेही को लेकर कड़ा रुख अपनाया है।

अक्सर ऐसे मामले सामने आते हैं जहाँ कर्मचारी बिना किसी कानूनी प्रक्रिया या तलाक के अपनी पहली पत्नी को बेसहारा छोड़ देते हैं और दूसरी महिला के साथ रहने लगते हैं या शादी कर लेते हैं। इस प्रवृत्ति पर लगाम लगाने के लिए सरकार अब सख्त सेवा नियम लागू करने की तैयारी में है। सरकार

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने स्पष्ट किया कि बिना कानूनी तलाक के पहली पत्नी को छोड़ना अब कर्मचारियों को भारी पड़ेगा। नए प्रस्ताव के तहत, पीड़ित पत्नी के आवेदन करने पर दोषी कर्मचारी के वेतन का 20 प्रतिशत हिस्सा सीधे पहली पत्नी के बैंक खाते में ट्रांसफर किया जाएगा।

यह वित्तीय मदद अदालत में केस लंबित रहने के दौरान भी जारी रहेगी, ताकि महिला को कानूनी लड़ाई लड़ने और अपना जीवन यापन करने में किसी आर्थिक तंगी का सामना न करना पड़े।

सरकार का यह कदम केवल आर्थिक दंड तक सीमित नहीं रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सेवा नियमों और प्रचलित कानूनों के तहत कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी। सरकार का प्राथमिक उद्देश्य उन महिलाओं को तुरंत न्याय और सामाजिक सुरक्षा देना है, जिन्हें बिना किसी कानूनी आधार के उनके पतियों द्वारा उपेक्षित कर दिया गया है।

यह फैसला असम सरकार की बहुविवाह को पूरी तरह समाप्त करने की नीति का ही एक हिस्सा है। राज्य में सरकारी सेवा नियमों के तहत पहले से ही बिना अनुमति दूसरी शादी पर प्रतिबंध है, लेकिन इस नए प्रावधान से इसे लागू करना और अधिक प्रभावी हो जाएगा। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने संकेत दिए हैं कि सरकार आने वाले समय में प्राइवेट सेक्टर में कार्यरत महिलाओं को भी इसी तरह की कानूनी और आर्थिक सुरक्षा देने के लिए अलग से कानूनी ढांचा तैयार करने पर विचार कर रही है।

त्योहार से पहले खोया मंडियों पर बड़ी कार्रवाई

450 किलो दूषित खोया कराया गया नष्ट

» हटिया, एक्सप्रेस रोड और फजलगंज में जांच, 19 नमूने संग्रहित

» हटिया खोया मंडी में मिला दूषित एवं बदबूदार खोया, नगर निगम के यार्ड में कराया विनष्टीकरण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। रक्षाबंधन सहित आगामी त्योहारों से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग ने शनिवार को शहर की खोया मंडियों में बड़ा जांच अभियान चलाया। हटिया खोया मंडी, एक्सप्रेस रोड और फजलगंज खोया मंडी में हुई कार्रवाई के दौरान 19 नमूने संग्रहित किए गए, जबकि हटिया खोया मंडी में बिक्री के लिए रखा 450 किलोग्राम दूषित एवं

बदबूदार खोया नष्ट कराया गया।आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के आदेश पर तथा जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा विभाग की जनपदीय एवं अंतर्जनपदीय टीमों ने अभियान चलाया। सहायक आयुक्त (खाद्य)।। संजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में राज्य सचल दल एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने खोया मंडियों में निरीक्षण किया। इस दौरान हटिया खोया मंडी में बिक्री के लिए रखा करीब 450 किलोग्राम खोया दूषित एवं बदबूदार पाया गया। संबंधित खाद्य कारोबारी की सहमति के बाद खोये को वहां से हटवाकर बाबूपुरवा स्थित नगर निगम के यार्ड में उसका विनष्टीकरण कराया गया।

व्यापारियों से संवाद के बाद हुई नमूना संग्रहण की कार्रवाई

एक्सप्रेस रोड स्थित प्रेम खोया भंडार पर निरीक्षण एवं नमूना संग्रहण के दौरान व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने जांच प्रक्रिया के संबंध में अपनी बात रखी। अधिकारियों ने उन्हें जांच प्रक्रिया एवं खाद्य सुरक्षा मानकों की जानकारी देते हुए सहयोग की अपेक्षा की। इसके बाद प्रतिष्ठान का निरीक्षण कर नियमानुसार नमूने संग्रहित किए गए।खाद्य सुरक्षा विभाग ने त्योहारों के दौरान खोये एवं मिठाइयों की बढ़ती मांग को देखते हुए निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। संग्रहित नमूनों को प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा गया है। जांच में नमूने मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाने पर संबंधित खाद्य कारोबारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। त्योहारों के दृष्टिगत अभियान आगे भी जारी रहेगा।

अभियान में सहायक आयुक्त (खाद्य)।। संजय प्रताप सिंह, सहायक आयुक्त (खाद्य) कानपुर मंडल सुनील शर्मा, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार पांडे, खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रदीप कुमार, संजय सिंह, पल्लवी शर्मा, आकांक्षा जायसवाल सहित राज्य सचल दल, जनपदीय एवं अंतर्जनपदीय टीमों के अन्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शामिल रहे।

महिलाओं द्वारा चप्पलों से पीटा गया मनचला युवक

» चौबेपुर स्टेशन में परिजनों ने मनचले युवक की जमकर की पिटाई

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। चौबेपुर क्षेत्र में ट्रेन यात्रा के दौरान मनचले युवक द्वारा छेड़खानी व आरोपी की पिटाई का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना कानपुर से चौबेपुर ट्रेन से लौट रही एक युवती और उसकी भाभी के साथ छेड़छाड़ की है। बताया जाता है कि ट्रेन में चौबेपुर का ही एक आरोपी युवक लगातार छेड़खानी कर रहा था। महिलाओं ने ट्रेन में तुरंत विरोध न करते हुए समझदारी दिखाई और फोन के जरिए अपने परिजनों को आरोपी की करतूत की जानकारी दे दी।सूचना मिलने के बाद परिजन चौबेपुर स्टेशन पहले पहुंच गए और जैसे ही ट्रेन स्टेशन पर आकर रुकी तथा महिलाएं नीचे उतरीं, परिजनों ने आरोपी युवक को दबोच लिया। इसके बाद पीड़िता और उसकी भाभी ने स्टेशन पर ही युवक की चप्पलों से पिटाई कर दी। मौके पर मौजूद लोगों ने इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया, जो अब वायरल है।

प्रकरण के संबंध मे एसीपी बिल्हौर अंकित कुमार ने बताया कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मामले में शामिल दूसरे आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि मामले की आगे की जांच के आधार पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गर्दन में हो रहे दर्द को न करें नजरअंदाज

अधिकतर लोग कभी न कभी गर्दन के दर्द से काफी परेशान रहते हैं। लंबे समय तक ही एक ही जगह पर बैठे रहने से दर्द और भी बढ़ जाता है। कई बार गलत पॉश्चर में बैठें रहने से गर्दन का दर्द भी शुरु हो जाता है। कई बार तो तनाव भी गर्दन में दर्द का कारण बन सकता है, लेकिन दर्द कुछ देर में या आराम करके ठीक हो जाए, तो किसी बात की कोई चिंता नहीं करनी चाहिए।

बार-बार होने वाला तीव्र दर्द अक्सर किसी अंदरुनी समस्या का संकेत हो सकता है। एक अध्ययन में पता चला है कि जो लोग दिन में 6 घंटे से ज्यादा समय तक एक ही जगह पर बैठें रहते हैं, उन्हें गर्दन का दर्द होने की संभावना अधिक होती है। इतना ही नहीं, यदि आप लैपटॉप या स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हुए पूरे दिन बैठे रहेंगे, तो इससे और भी खतरा बढ़ सकता है। आइए जानते हैं गर्दन दर्द कब गंभीर बन जाता है।

गर्दन दर्द के पीछे हो सकती हैं ये गंभीर बीमारियां

- » गर्दन दर्द के पीछे हो सकती हैं ये गंभीर बीमा?रि?यां
- » यदि गर्दन के दर्द के साथ बुखार आना।
- » बिना किसी कारण के वजन कम होना।
- » लगातार सिर दर्द।
- » निगलने में परेशानी होना।
- » ब्लैडर या बॉवेल कंट्रोल में बदलाव।
- » इन लक्षणों के नजर आने से डॉक्टर को जरुर दिखाएं क्योंकि इसके पीछे इंफेक्शन, इंफ्लेमेटरी डिजीज,
- » यूरोलॉजकिल समस्याएं देखने को मिल सकती है। दुर्घटना या गिरने के बाद रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर या गंभीर चोट लगने से भी इस तरह के लक्षण नजर आते हैं।

स्पाइनल इंफेक्शन

- » यदि आपको बार-बार बुखार और दर्द हो, तो इसका मतलब यह है कि स्पाइनल इंफेक्शन हो सकता है। इसका उपचार एंटीबायोटिक या एंटीफंगल दवाओं के साथ किया जा सकता है।स्पाइनल ट्यूमर या कैंसर
- » असल में स्पाइनल ट्यूमर होने पर कमर या गर्दन में दर्द, रात में दर्द बढ़ना, हाथ-पैर में कमजोरी या सुन्नपन महसूस हो सकता है। वहीं, दुर्लभ मामलों में कैंसर हो सकता है। इसमें सर्जरी, रेडिएशन थेरेपी, कीमोथेरपी की सहायता ली जाती है।

मेनिन्जाइटिस

बता दें कि, मेनिन्जाइटिस दिमाग और स्पाइनल कॉर्ड को ढकने वाली झिल्लियों में होने वाली सूजन। इसमें गर्दन में अकड़न, उल्टी, तेज बुखार जैसे तमाम लक्षण नजर आते हैं। इसको रोकने के लिए एंटीबायोटिक, एंटीवायरल या एंटीफंगल दवाओं की सहायता ली जा सकती है।

गर्दन के दर्द से बचने के ये सावधानियां बरतें

- » ज्यादा समय तक गर्दन को न झुकाएं।
- » काफी लंबे समय तक ड्राइविंग न करें।
- » स्ट्रेस और वजन घटाने की कोशिश करें।
- » जब आप बैठें तो रीढ़ और गर्दन को सीधा रखें।
- » काम के समय स्क्रीन को आंखों के लेवल पर रखें।
- » बहुत ऊंचा या सख्त तकिया का इस्तेमाल न करें।
- » नियमित तौर पर डेली एक्सरसाइज जरुर करें।
- » भारी सामान को उठाते समय दोनों कंधों को बराबर वजन रखें।
- » गर्दन को एक दिशा में मोड़कर न रखें।
- » पर्याप्त नींद लें और जिससे गर्दन की मांसपेशियां को रिकवरी मिले।
- » किन लोगों के लिए गर्दन का दर्द खतरनाक है?

आज भी गुनगुनाए जाते हैं दिलों को छूते गीत-गीतकार संतोष आनंद

विख्यात गीतकार संतोष आनंद फिल्म संगीत के अलग-अलग दौर में सरल और भावपूर्ण गीत लिखते रहे हैं। जीवन-दर्शन से भरे गीतों के माध्यम से भी उन्होंने विशेष पहचान बनाई। 'इक प्यार का नगमा है', 'जिंदगी की न टूटे लड़ी', 'ये गलियां ये चौबारा' और 'पुरवा सुहानी आई रे' जैसे गीत आज भी लोकप्रिय हैं। निजी जीवन की मुश्किलों व दुखों के बावजूद ऐसे गीतों को रचा जो करोड़ों श्रोताओं की जुबान पर हैं।

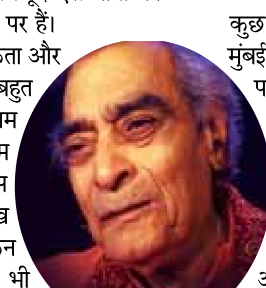

संतोष आनंद के गीतों में भावुकता और जीवन-दर्शन सबसे प्रबल रहा। बहुत सरल शब्दों में उनके लिखे गीत आम लोगों के गीत बन गए। भारतीय फिल्म संगीत में उनके गीतों की एक खास जगह है। जिंदगी के कष्ट और दुख उनके शब्दों में उतरकर आए। लेकिन 'पुरवा सुहानी आई रे' की ताजगी भी लोगों को मंत्रमुग्ध करती रही। लोकसंस्कृति की विरासत को उन्होंने बखूबी समझा। फिल्म संगीत के अलग-अलग दौर में उन्होंने गीत लिखे। सत्तर के दशक की शुरुआत में अगर वे 'इक प्यार का नगमा है', 'मैं न भूलूंगा' जैसे गीत लिख रहे थे तो वर्षों बाद 'ये गलियां ये चौबारा' जैसा चर्चित गीत लिख रहे थे। संतोष आनंद का जिक्र अक्सर 'इक प्यार का नगमा' गीत को लेकर होता है, लेकिन फिल्म जगत के कई चर्चित गीतों को वे सिने जगत में लेकर आए हैं। 'तेरा साथ है तो', 'मेघा रे मेघा', 'मैं न भूलूंगा', 'ये गलियां ये चौबारा', 'जिंदगी प्यार का गीत है', 'जिंदगी की न टूटे लड़ी' जैसे गीत उन्होंने फिल्म संगीत को दिए। उनके गीतों में भावुकता और सरलता रही है। उन्होंने ऐसे गीत लिखे हैं जो आम लोगों की जुबान पर आए हैं।

मुश्किलों से भरपूर जिंदगी

यूपी के सिकंदराबाद के एक परिवार से निकलकर मुंबई आए आनंद ने सफल गीतकार होने से पहले और सफलता के परचम को छूने के बाद भी बहुत मुश्किलें झेलीं। कदम-कदम पर उनके सामने ऐसे मोड़ आते रहे, जिससे वे हमेशा टूटते गए। बस शब्द ही उनके पास थे। इसलिए 'जिंदगी' शब्द उनके गीतों में बार-बार आता रहा। 'जीवन है इक पल का', 'जिंदगी प्यार का गीत है', 'जिंदगी की न टूटे लड़ी' जैसे शब्दों में वे जीवन-दर्शन को अभिव्यक्त करते रहे। शारीरिक अक्षमता, फिर बेटे का अपनी पत्नी के साथ आत्महत्या कर लेना, क्या-क्या नहीं झेला संतोष आनंद ने।

'इक प्यार का नगमा है...'

कुछ समय पहले एक टीवी शो में संतोष आनंद को मुंबई आमंत्रित किया गया था। वे मंच पर आए तो पार्श्व में एक धुन बज रही थी। 'शोर' फिल्म के इस गीत में वायलिन की स्वरलहरियां थीं। साल 1972 में मनोज कुमार ने 'शोर' फिल्म बनाई थी। इस फिल्म का गीत 'इक प्यार का नगमा है, मौजों की रवानी है' भारतीय फिल्म संगीत के सबसे सुंदर गीतों में है। जीवन की अनिश्चितता, प्रेम, दुख और आशा-निराशा, सब भावों को समेटे यह गीत संतोष आनंद ने ही लिखा था। वास्तव में मनोज कुमार ने ही संतोष आनंद की प्रतिभा को सबसे पहले पहचाना था। संगीतकार लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने 'शोर' फिल्म का संगीत दिया था। मुकेश और लता मंगेशकर ने इस गीत को बहुत मधुरता से गाया था। रेडियो पर इस गीत की फरमाइश होती रही। लेकिन संतोष आनंद की पहचान फिल्म इंडस्ट्री में तो बनी, पर उन्हें उतनी चर्चा नहीं मिली जितनी दूसरे गीतकार अपने गीतों से पा जाते थे।

'पुरवा सुहानी आई रे' में माटी की सुगंध

संतोष आनंद का पहला गीत भारतीय ग्रामीण परिवेश और माटी की सुगंध लिए था। 'पूरब और पश्चिम' फिल्म के लिए लिखा गया उल्लास भरा गीत 'पुरवा सुहानी आई रे' की थिरकन और उमंग को आज भी याद किया जाता है। मनोज कुमार जब 'पूरब और पश्चिम' फिल्म पर काम कर रहे थे, तब उन्हें दिल्ली में किसी कवि सम्मेलन में संतोष आनंद की कविता सुनने का मौका मिला था। मनोज कुमार ने उनकी क्षमता को पहचान 'पूरब और पश्चिम' फिल्म का गीत लिखने के लिए आमंत्रित किया। फिल्म में मनोज कुमार और सायरा बानो कलाकार थे। संतोष आनंद ने 'पुरवा सुहानी आई रे' जैसा गीत लिखा।

केमिकल ड्रम से निकली जहरीली गैस से मजदूर की मौत

» कानपुर की ईशान टैनरी में हुआ हादसा, परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

» हंगामे के बीच मृतक के परिवार ने मांगा 20 लाख रुपए मुआवजा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जाजमऊ थाना क्षेत्र स्थित ईशान टैनरी में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। चमड़े का ड्रम (खोलते समय जहरीली गैस की चपेट में आने से 22 वर्षीय मजदूर मनोज कुमार की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने टैनरी प्रबंधन पर सुरक्षा में लापरवाही का आरोप लगाते हुए ?20 लाख मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा किया।जानकारी के अनुसार मूल रूप से फर्रुखाबाद निवासी मनोज कुमार (22) पिछले 20 सालों से चकेरी के देवीगंज में किराए के मकान में रह रहा था। वह दो महीने पहले ही ईशान टैनरी में काम पर लगा था। शुक्रवार रात करीब 8 बजे वह नाइट शिफ्ट के लिए टैनरी गया था। शनिवार तड़के करीब 4 बजे जब वह चमड़े का ड्रम खोल रहा था, तभी अचानक निकली जहरीली गैस की चपेट में आ गया और उसकी हालत बिगड़ गई।साथी कर्मचारियों ने उसे तुरंत कांशीराम अस्पताल पहुंचाया, जहां सुबह करीब 6 बजे डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की 20 वर्षीय पत्नी काव्या और 6 महीने की बेटी दिव्या है। अस्पताल पहुंचे मृतक के भाइयों आकाश, सोनू, प्रदीप और अन्य परिजनों का कहना है कि टैनरी में कर्मचारियों की सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं था। परिजनों का आरोप है कि यदि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होते तो मनोज की जान बच सकती थी। परिजनों ने टैनरी मालिक फुरकान और प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए 20 लाख रुपये मुआवजे की मांग की है।

जन्म-मृत्यु की सूचना नहीं देने वाले निजी अस्पतालों के पंजीकरण पर होगी कार्रवाई

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अस्पतालों में होने वाले प्रत्येक जन्म एवं मृत्यु की सूचना 24 घंटे के भीतर सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (सीआरएस) पोर्टल पर दर्ज करनी होगी। ऐसा नहीं करने वाले निजी अस्पतालों के विरुद्ध पंजीकरण निरस्त करने तक की कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने शनिवार को सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति के शासी निकाय की बैठक में यह निर्देश दिए। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, संस्थागत प्रसव, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था, नियमित टीकाकरण, आयुष्मान वय वंदना तथा टीबी उन्मूलन सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गई।

जन्म-मृत्यु की सूचना देना अस्पताल की जिम्मेदारी

जिलाधिकारी ने कहा कि निजी अस्पताल, जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज तथा सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र अपने यहां होने वाले प्रत्येक जन्म एवं मृत्यु की सूचना 24 घंटे के भीतर सीआरएस पोर्टल के माध्यम से नगर निगम अथवा संबंधित स्थानीय निकाय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के तहत अस्पताल, स्वास्थ्य केंद्र, मैटरनिटी अथवा नर्सिंग होम में होने वाले जन्म एवं मृत्यु की सूचना संबंधित रजिस्ट्रार को देने की जिम्मेदारी संस्था के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी अथवा उनके द्वारा अधिकृत व्यक्ति की है।

उन्होंने कहा कि समय से सूचना नहीं मिलने के कारण बड़ी संख्या में लोगों के जन्म एवं मृत्यु प्रमाणपत्र समय से जारी नहीं हो पा रहे हैं और लोगों को अनावश्यक रूप से भटकना पड़ रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि सूचना पोर्टल पर दर्ज नहीं करने वाले निजी अस्पतालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उनका पंजीकरण निरस्त करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

संस्थागत प्रसव बढ़ाएं, पांच प्रसव नहीं कराने वाली स्त्री रोग विशेषज्ञों पर कार्रवाई

जिलाधिकारी ने जननी सुरक्षा योजना की समीक्षा करते हुए संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी सीएचसी यह सुनिश्चित करें कि गर्भवती महिलाओं का प्रसव सीएचसी, पीएचसी, जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज अथवा एएचएम जिला महिला चिकित्सालय जैसी स्वास्थ्य संस्थाओं में प्रशिक्षित चिकित्सकीय देखरेख में हो।

मंत्रा पोर्टल के अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक एएचएम जिला महिला चिकित्सालय में 2,839, जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में 1,863, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाटमपुर में 1,188 तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कल्याणपुर में 996 संस्थागत प्रसव कराए गए हैं।

जिलाधिकारी ने एनएचएम के माध्यम से तैनात स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों के कार्य की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रत्येक विशेषज्ञ के लिए प्रतिमाह न्यूनतम पांच प्रसव कराना अनिवार्य है। निर्धारित संख्या में प्रसव नहीं कराने वाली चिकित्सकों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उनकी सेवा समाप्त की जाए।

उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था (एचआरपी) की समीक्षा के दौरान नोडल अधिकारी हरिशंकर सिंह योजना के क्रियान्वयन के संबंध में समुचित जानकारी नहीं दे सके। कार्य में अपेक्षित रुचि न लेने पर जिलाधिकारी ने जिला स्वास्थ्य समिति के माध्यम से उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक माह की 1, 9, 16 एवं 24 तारीख को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर एचआरपी दिवस आयोजित करने का प्रावधान है।

इसका उद्देश्य उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय से पहचान एवं नियमित निगरानी कर सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करना है। गंभीर एनीमिया, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, पूर्व में जटिल प्रसव सहित अन्य जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को समय से चिह्नित कर उनकी नियमित निगरानी की जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर उच्च स्तरीय स्वास्थ्य केंद्र पर रेफर किया जाए।

एक सितंबर से नगरीय क्षेत्रों में चलेगा विशेष टीकाकरण अभियान

यू-विन पोर्टल के अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 12,327 बच्चों का टीकाकरण किया गया है। जिलाधिकारी ने एसीएमओ डॉ. कैलाश को निर्देश दिए कि ड्यू लिस्ट के अनुसार बच्चों का मोबिलाइजेशन सुनिश्चित किया जाए तथा नगरीय क्षेत्रों में एक सितंबर से विशेष टीकाकरण अभियान चलाकर पात्र बच्चों का टीकाकरण कराया जाए।

बैठक में नगर निगम का कोई जिम्मेदार अधिकारी उपस्थित नहीं था, जिसके कारण टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा प्रभावित हुई। इस पर जिलाधिकारी ने नगर आयुक्त को पत्र भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की समयबद्ध एवं प्रभावी समीक्षा के लिए संबंधित विभागों के जिम्मेदार अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए।

वय वंदना योजना में कानपुर नगर प्रदेश में प्रथम

आयुष्मान वय वंदना योजना की समीक्षा में बताया गया कि 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने में कानपुर नगर प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। जनपद में अब तक 1,07,347 आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाए जा चुके हैं।जिलाधिकारी ने टीबी उन्मूलन कार्यक्रम की भी समीक्षा की। उन्होंने टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा उपचाररत मरीजों को पोषण पोटली का समय से वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी, सीएमएस कांशीराम अस्पताल सहित स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित विभागों के विभिन्न अधिकारी उपस्थित रहे।

नाले में मिला 25 वर्षीय युवक का शव

» शेखपुर गांव निवासी मनीष निषाद के रूप में हुई मृतक की पहचान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। महाराजपुर थाना क्षेत्र के शेखपुर गांव में शनिवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब ग्रामीणों ने नाले में एक युवक का शव देखा। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर तुरंत पहुंची पुलिस ने शव को नाले से बाहर निकाला। मृतक की पहचान शेखपुर गांव निवासी मनीष निषाद के रूप में हुई है। परिजनों को घटना की सूचना दी और उनके मौके पर पहुंचने के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू की।

बताया जाता है कि मृतक मनीष निषाद पेशे से गोताखोर था और मजदूरी करके अपने परिवार का पेट पालता था। ग्रामीणों के अनुसार, उसे अत्यधिक शराब पीने की लत थी। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि नाले में डूबने से उसकी मौत हुई है। हालांकि, मौत के असली कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो सकेगा।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है। महाराजपुर पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि युवक किन परिस्थितियों में नाले तक पहुंचा और हादसे से पहले वह कहां था। महाराजपुर इंस्पेक्टर जनार्दन सिंह के अनुसार, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों से मिलने वाली तहरीर के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दो साल से फरार वांछित 10 हजार का इनामी लखनऊ में दबोचा

कानपुर। 2 करोड़ 20 लाख 75 हजार 800 रुपये की धोखाधड़ी के मामले में चार वर्षों से वांछित ?10 हजार का इनामी आरोपी आखिरकार रेलबाजार थाना प्रभारी अमान सिंह के नेतृत्व में पुलिस के शिकंजे में आ गया। पुलिस ने मो. इरफान को लखनऊ के गुडम्बा स्थित अफसान अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया।

पुलिस के मुताबिक आरोपी पर फर्म के तस्ज्ञ नंबर का कथित दुरुपयोग कर करोड़ों की धोखाधड़ी करने का मुकदमा दर्ज था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह लगातार ठिकाने बदल रहा था। 27 फरवरी 2026 को उस पर ?10 हजार का इनाम घोषित किया गया था।

थाना पुलिस और सहयोगी सर्विलांस और सूचना तंत्र ने इस बार आरोपी का ठिकाना पकड़ लिया और 21 अगस्त को रेलबाजार पुलिस टीम ने लखनऊ पहुंचकर उसे दबोच लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। दो साल से पुलिस को दौड़ा रहा इनामी आखिरकार खुद ही पुलिस के सामने आ गया।

भाजपा महिला पार्षद सड़कों पर लगा रही झाड़ू, साथ ही नालियों की कर रहीं सफाई

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। लगातार सफाई व्यवस्था को लेकर त्रस्त वार्ड 14 की पार्षद शालू सुनील कनौजिया ने महिलाओं को लेकर नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ सात दिवसीय नाली, झाड़ू, कूड़ा आंदोलन की शुरुआत की। कार्यक्रम के दूसरे दिन पार्षद शालू सुनील कनौजिया और पूर्व पार्षद सुनील कनौजिया ने महिलाओं के साथ नाली और झाड़ू का सफाई कार्य किया। पार्षद शालू सुनील कनौजिया ने कहा कि वार्ड में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है।

लगातार शिकायत के बाद भी जगह-जगह कूड़े के ढेर और बजबजाती नालियों ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। लगातार दूसरे दिन भी भाजपा की महिला पार्षद सड़कों पर झाड़ू और नाली लगा रही है। लेकिन वातानुकूलित कमरों में बैठे अधिकारियों के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है। सरकार और जन विरोधी मानसिकता से काम करने वाले अधिकारियों को मलिन बस्ती में रहने वाले लोगों के बदबू और गंदगी से भरे नारकीय जीवन का एहसास नहीं होता है। लेकिन जो लोग रहते हैं वह कैसे जीते हैं सिर्फ वही जानते हैं।

लगातार कूड़े के ढेर और बजबजाती नालियों ने लोगों को बीमार कर दिया है।

गरीब आदमी बहुत मुश्किल से इलाज करा पाता है। पूर्व पार्षद सुनील कनौजिया ने कहा कि झाड़ू, नाली, कूड़ा आंदोलन के तीसरे दिन शनिवार को सैकड़ों महिलाओं के साथ प्रदर्शन किया जायेगा। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से शनी कनौजिया, शकुंतला, शर्मिला, संगीता, माया, सुमन, सरिता, शालू जायसवाल, पूनम जायसवाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

दिव्यांग छात्राओं को मिलेंगी ई-ट्राईसाइकिल, 65 हजार रुपये तक का अनुदान

कानपुर। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी विनय उत्तम ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन, दिव्यांगजन सशक्तीकरण अनुभाग-2 के निर्देशों के क्रम में ÷स्कूल जाने वाली/शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त कर रही दिव्यांग छात्राओं को ई-ट्राईसाइकिल दिए जाने हेतु अनुदान नियमावली, 2026÷ प्रख्यापित की गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में जनपद के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 20-20, कुल 200 ई-ट्राईसाइकिल दिए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।उन्होंने बताया कि योजना का उद्देश्य स्कूल जाने वाली एवं शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त कर रही ऐसी दिव्यांग छात्राओं को सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना है, जो दैनिक कक्षाओं, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, छात्रावास आदि तक आने-जाने में कठिनाई का सामना करती हैं। ई-ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराकर ऐसी छात्राओं का शैक्षिक पुनर्वासन सुनिश्चित किया जाएगा।योजना के अंतर्गत प्रत्येक ई-ट्राईसाइकिल के लिए अधिकतम 65 हजार रुपये का अनुदान अनुमन्य है। योजना के लिए पात्रता निर्धारित करते हुए बताया गया है कि मस्क्यूलर डिस्ट्रोफी, स्ट्रोक, सेरेब्रल पाल्सी, हीमोफीलिया आदि से प्रभावित अथवा समान शारीरिक स्थिति वाले ऐसे दिव्यांगजन, जिनकी दृष्टि एवं मानसिक स्थिति ठीक हो, कमर के ऊपर का भाग स्वस्थ हो तथा जो मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल पर बैठकर उसका संचालन करने में सक्षम हों और मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा उनकी दिव्यांगता 40 प्रतिशत या उससे अधिक प्रमाणित की गई हो, पात्र होंगे। प्राप्त आवेदनों में पात्र लाभार्थियों का चयन दिव्यांगता प्रतिशत के घटते क्रम में किया जाएगा।पात्रता के अनुसार छात्रा की आयु 16 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए तथा वह जनपद कानपुर नगर की निवासी हो। छात्रा का जनपद में संचालित किसी विद्यालय, महाविद्यालय अथवा शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थान में अध्ययनरत होना अनिवार्य है। इसके लिए संबंधित संस्थान द्वारा जारी अध्ययनरत होने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। छात्रा अथवा उसका परिवार आयकरदाता की श्रेणी में नहीं होना चाहिए। इसके लिए तहसील द्वारा निर्गत आय प्रमाण-पत्र आवश्यक होगा।आवेदन के लिए आधार कार्ड, दिव्यांगता प्रदर्शित करने वाले दो फोटो तथा मोबाइल नंबर भी आवश्यक हैं।

कानपुर नगर में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान द्वारा टाइटन वर्ल्ड का किया गया भव्य शुभारंभ

कैबिनेट मंत्री राकेश सचान व पूर्व मंत्री राम आसरे कुशवाहा ने फीता काटकर किया उद्घाटन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर के साकेत नगर में दीप तिराहे के पास टाइटन वर्ल्ड शोरूम का भव्य शुभारंभ किया गया। यूपी सरकार मे कैबिनेट मंत्री राकेश सचान व पूर्व मंत्री राम आसरे कुशवाहा द्वारा फीता काटकर टाइटन वर्ल्ड शोरूम का भव्य शुभारंभ किया गया।

शोरूम के आयोजन गौरव अग्रवाल ने मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री राकेश सचान व पूर्व मंत्री राम आसरे कुशवाहा का स्वागत स्मृति चिन्ह भेंट कर एवं माल्यार्पण कर किया।

शोरूम के उद्घाटन के मौके पर बड़ी संख्या में कानपुर शहर के गणमान्य लोग एवं टाइटन घड़ी खरीदने व देखने आए ग्राहक उपस्थित रहे। कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने कहा कि कानपुर व्यापारिक नगरी है।

यहां टाइटन जैसा भरोसेमंद ब्रांड का नया टाइटन वर्ल्ड शोरूम खुलना स्वागत के योग है।

टाइटन ने हमेशा गुणवत्ता और भारतीय ग्राहकों के भरोसे को बनाए रखा है।उत्तर प्रदेश की योगी सरकार व्यापारियों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसे नए प्रतिष्ठान खुलने से रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं और कानपुर

महानगर के विकास को गति मिलती है। मैं गौरव अग्रवाल को इस नई शुरुआत के लिए दिल से हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

टाइटन वर्ल्ड शोरूम के गौरव अग्रवाल ने कहा कि हमारा उद्देश्य कानपुर के लोगों को विश्व स्तरीय घड़ियों और प्रीमियम कलेक्शन की पूरी रेंज एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराना है। टाइटन वर्ल्ड स्टोर में टाइटन, फास्टट्रैक, सोनाटा और रागा ट्रामी हेल्फायर केनेथ कोल की लेटेस्ट डिजाइन के साथ-साथ विशेष ऑफर भी ग्राहकों के लिए उपलब्ध रहेंगे। इस मौके पर टाइटन वर्ल्ड शोरूम के संरक्षक विनोद अग्रवाल ने कहा कि आज हमारे लिए बेहद खास और गर्व का दिन है, क्योंकि हम साकेत नगर, कानपुर में अपने एक्सक्लूसिव वर्ल्ड ऑफ टाइटन शोरूम के शुभारंभ के साथ अपने ग्राहकों के लिए इसके दरवाज़े खोल रहे हैं।

वर्ल्ड ऑफ टाइटन के एक ही छत के नीचे विश्वसनीय और प्रतिष्ठित घड़ियों के शानदार कलेक्शन उपलब्ध हैं।

हमारा उद्देश्य अपने ग्राहकों को एक प्रीमियम और सुरुचिपूर्ण शॉपिंग अनुभव प्रदान करना है, जहाँ हर अवसर और हर व्यक्तित्व के लिए अलग-अलग स्टाइल और डिज़ाइन की घड़ियाँ उपलब्ध हों। हमारा उद्देश्य केवल घड़ियाँ बेचना नहीं, बल्कि अपने ग्राहकों को गुणवत्ता, विश्वास, स्टाइल और बेहतरीन सेवा का अनुभव प्रदान करना है।

हमें बेहद खुशी है कि हम कानपुर के लोगों के लिए घड़ियों की इस विशेष और प्रीमियम डेस्टिनेशन को लेकर आए हैं।

हम अपने सभी ग्राहकों, शुभचिंतकों, मित्रों और सम्मानित अतिथियों का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने हमें अपना प्यार, विश्वास और समर्थन दिया।

आज आपकी उपस्थिति ने इस अवसर को हमारे लिए और भी यादगार बना दिया है। हम आने वाले वर्षों में भी कानपुर के लोगों की सेवा पूरी निष्ठा और गर्व के साथ करते हुए अपने ग्राहकों के साथ एक मजबूत और दीर्घकालिक संबंध बनाने की आशा करते हैं। हम सभी को वर्ल्ड ऑफ टाइटन, साकेत नगर में आने और समय, स्टाइल, शान और सटीकता की इस शानदार दुनिया का अनुभव करने के लिए सादर आमंत्रित करते हैं। टाइटन वर्ल्ड में आए हुए अन्य अतिथियों का स्वागत हर्षित अग्रवाल ने किया।

गल्ला मंडी सागरपुरी में 9 घंटे गुल रही बिजली, बूंद-बूंद पानी को तरसे लोग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नौबस्ता गल्ला मंडी स्थित सागरपुरी, दुर्गा चौराहा क्षेत्र में शनिवार को बिजली विभाग की घोर लापरवाही के चलते क्षेत्रीय जनता को भीषण पेयजल संकट और गर्मी का सामना करना पड़ा। सुबह 10 बजे दुर्गा चौराहे पर लगे ट्रांसफार्मर में आई खराबी के कारण ठप हुई बिजली सप्लाई रात 7~30 बजे चालू हो सकी। करीब साढ़े नौ घंटे तक बिजली गायब रहने से इलाके के निवासी बूंद-बूंद पानी के लिए तरस गए।

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि क्षेत्र में आए दिन यह समस्या बनी रहती है,

लेकिन केस्को कर्मचारी और अधिकारी शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं देते। उपभोक्ताओं का कहना है कि जब केस्को के हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज कराई जाती है, तो बिना मौके पर पहुंचे और बिना समाधान किए ही ऑनलाइन स्टेटस रिपोर्ट में 'समस्या का समाधान' दर्ज कर दिया जाता है।

लापरवाही की खुली पोलः टेक्नीशियन और लाइनमैन में तालमेल की कमी

शाम करीब 5:30 बजे बीपीएस न्यूज संवाददाता जब मौके पर पहुंचे, तो वहां पहले से मौजूद लीकेज टेक्नीशियन राकेश यादव ने केस्को की कार्यप्रणाली की पोल खोलकर रख दी। उन्होंने बताया, मैं एक घंटे से यहां बैठा हूं, लेकिन कोई अधिकारी या कर्मचारी नहीं आया। मैंने दोपहर 2 बजे ही लाइनमैन संजय और मलखान की मौजूदगी में ट्रांसफार्मर ठीक कर दिया था। लेकिन उन्होंने मेरे सामने लाइन चालू नहीं की। मेरे जाने के बाद चुपके से लाइन चालू करने का प्रयास किया गया। अगर समय रहते सही तरीके से लाइन चालू कर दी जाती, तो लोगों को इतनी परेशानी न उठानी पड़ती।

एसडीओ के हस्तक्षेप के बाद पहुंची टीम लोगों का फूटा गुस्सा

मामले की गंभीरता को देखते हुए बीपीएन न्यूज संवाददाता ने तुरंत गल्ला मंडी समिति केस्को एसडीओ से फोन पर बात कर स्थिति की जानकारी दी। एसडीओ के निर्देश पर जब

लाइनमैन मौके पर पहुंचे, तो आक्रोशित क्षेत्रीय लोगों ने उन्हें घेर लिया और जमकर नारेबाजी की।

स्थिति बिगड़ते देख ट्रांसफार्मर के पास रहने वाले राकेश शुक्ला ने बीच-बचाव कर लोगों को शांत कराया। इसके बाद केस्को कर्मचारियों ने मरम्मत कार्य शुरू किया और शाम 7:30 बजे बिजली आपूर्ति बहाल हो सकी। बिजली आते ही क्षेत्रीय नागरिकों ने राहत की सांस ली। लोगों ने उच्च अधिकारियों से लापरवाह कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

25 अगस्त को कानपुर में राज्य महिला आयोग की सदस्य करेंगी महिला जनसुनवाई

महिलाओं की समस्याओं की होगी सुनवाई, संबंधित विभागों की योजनाओं की भी होगी समीक्षा

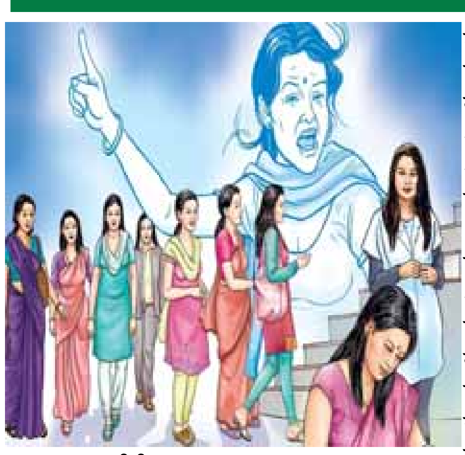

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी एवं अनिता गुप्ता द्वारा 25 अगस्त, 2026 को जनपद कानपुर नगर में महिला जनसुनवाई एवं समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। महिला जनसुनवाई का आयोजन 25 अगस्त को प्रातः 11~00 बजे से सर्किट हाउस के सभागार में किया जाएगा। जनसुनवाई के दौरान महिलाओं से संबंधित समस्याओं एवं शिकायतों को सुना जाएगा तथा उनके त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे।

इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ महिला कल्याण से संबंधित संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा भी की जाएगी।

इसके साथ ही महिला एवं बाल पोषण से जुड़े विषयों पर जनजागरूकता बढ़ाने तथा महिलाओं के हित में संचालित योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। जनपद की महिलाएं अपनी समस्याओं एवं शिकायतों के समाधान के लिए निर्धारित समय एवं स्थान पर आयोजित महिला जनसुनवाई में उपस्थित होकर अपनी शिकायत प्रस्तुत कर सकती हैं।

स्टंटबाज बाइकर्स पर चलेगा अभियान

गांवों में बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों पर बढ़ेगी सख्ती

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सड़कों पर स्टंट करने वाले बाइकर्स के खिलाफ विशेष अभियान चलेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों पर भी सख्ती बढ़ाई जाएगी। शुक्रवार को सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सड़क सुरक्षा नियमों का कड़ाई से अनुपालन कराने के निर्देश दिए गए। सड़कों से अतिक्रमण हटाने में ढिलाई पर पीडब्ल्यूडी के दो अधिशासी अभियंताओं से स्पष्टीकरण भी तलब किया गया।

एनएच-34 पर उपखनिजों की ढुलाई करने वाले वाहनों की ओवरलोडिंग के खिलाफ भी जांच और प्रवर्तन तेज किया जाएगा। समीक्षा में सामने आया कि उपखनिज ढोने वाले कुछ वाहन अपनी नंबर प्लेट छिपा लेते हैं अथवा वह स्पष्ट दिखाई नहीं देती। जुलाई में ऐसे मामलों में यातायात विभाग द्वारा 435 चालान किए गए। जिलाधिकारी ने ओवरलोडिंग की सघन जांच करने के साथ वाहनों की नंबर प्लेट स्पष्ट रूप से दिखाई देना सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने स्टंट करने वाले बाइकर्स के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से बिना हेलमेट दोपहिया वाहन

चलाने वालों की जांच बढ़ाने को कहा। उन्होंने पुलिस और परिवहन विभाग को सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ लगातार प्रवर्तन कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बिना हेलमेट 39 हजार से अधिक कार्रवाई

जुलाई 2026 में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस एवं परिवहन विभाग ने बड़े पैमाने पर प्रवर्तन कार्रवाई की। दोनों विभागों के आंकड़ों को मिलाकर बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने के 39,021, रॉन्ग साइड ड्राइविंग के 11,778 और ओवर स्पीडिंग के 9,151 प्रकरणों में कार्रवाई की गई।

इसके अलावा बिना सीट बेल्ट वाहन चलाने के 1,807, मॉडिफाइड साइलेंसर एवं प्रेशर हॉर्न के 1,809, बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाने के 1,453, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के प्रयोग के 931, बिना फिटनेस वाहन संचालन के 902 तथा ड्रंक एंड ड्राइविंग के 363 प्रकरणों में कार्रवाई हुई। अंडर एज ड्राइविंग के चार और निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं मिले स्कूली वाहनों के 44 प्रकरणों में कार्रवाई की गई।

लंबी दूरी के लिए बस और रेल की सेवाएं

अतिक्रमण की जानकारी नहीं दे सके अधिशासी अभियंता, स्पष्टीकरण तलब

पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड अपनी सड़कों पर अतिक्रमण की स्थिति के संबंध में स्पष्ट जानकारी प्रस्तुत नहीं कर सका। इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता अनूप कुमार मिश्रा से स्पष्टीकरण तलब किया।

पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड के अधिशासी अभियंता अखंडेश्वर प्रसाद ने बताया कि उनके डिवीजन की सड़कों पर 30 अतिक्रमण चिह्नित हैं। इनमें 22 अस्थायी और आठ स्थायी हैं। सभी 30 अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी नहीं किए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई और अधिशासी अभियंता से स्पष्टीकरण तलब किया। साथ ही नियमानुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए। पीडब्लूडी एनएच खंड द्वारा बताया गया कि रामादेवी से कल्याणपुर तक 905 अवैध अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए गए हैं। जिलाधिकारी ने इस मार्ग पर अतिक्रमण के चिन्हीकरण की कार्रवाई और तेज करने के निर्देश दिए। एनएचएआई के परियोजना प्रबंधक पंकज यादव ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर चिह्नित 823 अतिक्रमण हटाए जा चुके हैं।

स्कूली वाहन चालकों का होगा चरित्र सत्यापन, आंखों की भी जांच

मिशन सेफ फ्यूचर के तहत स्कूली वाहनों की सुरक्षा की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अभियान चलाकर प्रत्येक स्कूली वाहन चालक का चरित्र सत्यापन और स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। चालकों की आंखों की जांच भी कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि स्कूली वैन में निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को न बैठाया जाए और इसकी नियमित जांच की जाए।

घायल को अस्पताल पहुंचाने पर 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि

बैठक में सड़क दुर्घटना में घायलों को समय पर सहायता और उपचार उपलब्ध कराने के लिए राहवीर योजना और पीएम राहत जन आरोग्य योजना की भी समीक्षा की गई।

राहवीर योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुंचाने वाले पात्र व्यक्ति को 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दिए जाने का प्रावधान है। जिलाधिकारी ने योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए।

पीएम राहत जन आरोग्य योजना के तहत सड़क दुर्घटना पीड़ित को अधिकतम सात दिनों तक अथवा 1.50 लाख रुपये तक, जो भी पहले हो, कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

जनपद में इसके लिए नौ अस्पताल चिह्नित हैं। इनमें वेदान्ता हॉस्पिटल, डेल्टा हॉस्पिटल, आशीर्वाद हॉस्पिटल, चांदनी हॉस्पिटल प्रा. लि.,

उजाला सिग्नस कुलवंती हॉस्पिटल, नारायणा हॉस्पिटल, रामादेवी मेडिकल सेंटर प्रा. लि., रामा हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर तथा रामा हॉस्पिटल शामिल हैं। जिलाधिकारी ने योजना की जानकारी आमजन तक पहुंचाने और दुर्घटना पीड़ितों को इसका लाभ समय से दिलाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में डीसीपी ट्रैफिक रवींद्र कुमार, अपर जिलाधिकारी (नगर) आलोक कुमार गुप्ता सहित संबंधित विभागों के विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे।

यातायात पुलिस एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा जुलूस मार्ग का किया गया निरीक्षण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। आगामी बारावफात पर्व 25 अगस्त की शाम से प्रारंभ होकर 26 अगस्त को जुलूस के आयोजन के साथ सम्पन्न होगा। पर्व एवं जुलूस के दृष्टिगत अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था के निर्देशन में सेन्ट्रल जोन के समस्त सर्किल पुलिस बल, यातायात पुलिस एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा जुलूस मार्ग का स्थलीय भ्रमण कर सुरक्षा, यातायात एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान आयोजन से संबंधित व्यवस्थाओं के लिए नगर निगम एवं अन्य संबंधित विभागों द्वारा किए जाने वाले कार्यों तथा पुलिस द्वारा किए जाने वाले आवश्यक सुरक्षा प्रबंधों के संबंध में दिशा-निर्देश दिए गए हैं।सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जा रही है। जुलूस मार्ग पर स्थापित सीसीटीवी कैमरों का ओरिएंटेशन एवं कवरेज दुरुस्त कराया जा रहा है तथा ड्रोन कैमरों के माध्यम से भी महत्वपूर्ण स्थानों एवं जुलूस मार्ग पर सतत निगरानी रखी जाएगी। आवश्यकता वाले स्थानों पर बैरिकेडिंग एवं यातायात डायवर्जन की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है, जिससे जुलूस के दौरान यातायात का सुचारू संचालन एवं आमजन की सुविधा बनी रहे।

इसके अतिरिक्त आयोजकों एवं संबंधित मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ बैठक एवं संवाद किया जा रहा है। विगत वर्षों के अनुभवों एवं सामने आई समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ आयोजकों की अपेक्षाओं पर भी चर्चा की जा रही है। पुलिस की ओर से आवश्यक सुरक्षा एवं अनुशासन संबंधी अपेक्षाओं से आयोजकों को अवगत कराया जा रहा है, ताकि सभी के समन्वय से बारावफात पर्व एवं जुलूस को शांतिपूर्ण, सकुशल एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराया जा सके।

पांडु नदी से सटे निचले क्षेत्रों में जलभराव से प्रभावित क्षेत्र का एसडीएम सदर ने लिया जायजा

कानपुर। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम सदर अनुभव सिंह ने नगर निगम एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बर्रा एवं गुजैनी क्षेत्र में पांडु नदी से सटे निचले इलाकों का संयुक्त स्थलीय निरीक्षण किया। प्रारंभिक आकलन के अनुसार नदी से सटे निचले क्षेत्र में बने लगभग 25 से 30 मकानों में जलभराव की स्थिति पाई गई है।निरीक्षण के दौरान एसडीएम सदर ने स्थानीय लोगों से संवाद कर जलभराव की स्थिति, आवागमन तथा राहत सामग्री की आवश्यकता के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रभावित परिवारों से निरंतर संपर्क बनाए रखने और आवश्यकता के अनुरूप राहत सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।वर्तमान में जलभराव से प्रभावित परिवार सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं। अधिकांश लोग अपने अन्य आवास अथवा रिश्तेदारों के यहां रह रहे हैं, जबकि कुछ परिवार किराये के आवास में चले गए हैं। प्रभावित परिवारों की सुविधा के लिए कम्पोजिट विद्यालय में राहत शिविर स्थापित कर आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। प्रभावित परिवारों के बीच वितरण के लिए राहत किट की मांग भी प्रेषित कर दी गई है।

बीपीएस न्यूज (साप्ताहिक समाचार पत्र)

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।